Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 131
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,10 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 ईवीएम के बजाय मतपत्रों से हो चुनाव: अखिलेश

4 नियम बनाकर उनसे पीछे हटने से क्या संदेश जाता है?

5 क्या शुरू होने वाला है बड़ा इंटरनेशनल कोलैब, जैकलिन और टायला ने

सीएम योगी बोले-

युवाओं के स्केल को स्किल से जोड़ रही सरकार

- कुशल मानव संसाधन का हब बनेगा यूपी
- उद्योगों की डिमांड के अनुरूप ट्रेड में ट्रेंड होंगे युवा

लखनऊ। सीएम योगी मंगलवार दोपहर बाद गोरखपुर के पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र के नरकटहा में नवनिर्मित राजकीय आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस आईटीआई का निर्माण पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड से 18 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे युवा राज्य है। यहां के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। इनकी प्रतिभा की मांग देश और दुनिया के कई देशों में है। युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर प्रदेश को देश और दुनिया के लिए कुशल मानव संसाधन का हब बनाया जाएगा। सीएम योगी मंगलवार दोपहर बाद गोरखपुर के पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र के नरकटहा में नवनिर्मित राजकीय आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस आईटीआई का निर्माण पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड से 18 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। इसका संचालन प्रदेश सरकार की तरफ से कराया जाएगा। आईटीआई के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां 55 से 60 फीसदी आबादी कामकाजी यानी युवा है। इस हिसाब से यह सौभाग्य भी है कि यूपी देश का सबसे युवा राज्य है। यहां युवाओं की स्केल है और इस स्केल को स्किल से जोड़ना है। उद्योगों की डिमांड के अनुरूप ट्रेड में ट्रेंड होंगे युवा मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को उद्योगों की डिमांड के अनुरूप ट्रेड में ट्रेंड कर रही है। इसके लिए गौड़ा में नाइलिट की शाखा के माध्यम से ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे कैम्पस सलेक्शन के जरिये यहां के उद्योगों में ही युवाओं का समायोजन होगा। उन्होंने कहा कि पावरग्रिड की तरफ से बने आईटीआई में भी उद्योगों की मांग के अनुरूप ट्रेडों में युवाओं को स्किल्ड बनाया जाएगा। डेढ़ सौ से अधिक आईटीआई को जोड़ रहे अत्याधुनिक तकनीक से सीएम योगी ने कहा कि सरकार टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर डेढ़ सौ से अधिक आईटीआई को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने का कार्य कर रही है। नौजवानों को आईटीआई में दीर्घकालिक और अल्पकालिक, दो प्रकार की प्रशिक्षण योजनाओं से जोड़कर आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। दीर्घकालिक योजना में इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड सीएनसी मशीन, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, थ्री डी प्रिंटिंग का प्रशिक्षण युवाओं को दिया जा रहा है।

इंडिगो के खिलाफ सरकार का सख्त एक्शन

डीजीसीए ने उड़ानों की संख्या पांच प्रतिशत घटाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को उड़ानों की संख्या में पांच प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है। देश के विमानन नियामक ने इस साल अक्टूबर और नवंबर के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि उसने विंटर शिड्यूल में जितनी उड़ानों के लिए स्लॉट लिया था वह उनका परिचालन अच्छी तरह करने में विफल रही है। इसे देखते हुए उससे अपनी उड़ानों की संख्या पांच प्रतिशत कम करने के लिए कहा गया है, खासकर उच्च मांग वाले और ऐसे सेक्टरों पर जहां एक मात्र उड़ान इंडिगो की है। इंडिगो को सोमवार को भेजे गये नोटिस में डीजीसीए ने 10 दिसंबर शाम पांच बजे तक संशोधित शिड्यूल सौंपने का निर्देश दिया है। इंडिगो ने सितंबर से शुरू हुए विंटर शिड्यूल में हर सप्ताह 15,014 उड़ानों की घोषणा की थी। पांच प्रतिशत कटौती का मतलब है कि उसे हर सप्ताह 750 उड़ानें कम करनी होंगी। नियामक ने बताया कि शिड्यूल के मुताबिक इंडिगो को नवंबर में 64,346 उड़ानों का संचालन करना था जबकि उसने मात्र 59,438 उड़ानों का संचालन किया और 951 उड़ानें रद्द रहीं।

सार संक्षेप

राजस्थान उच्च न्यायालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, आया धमकी भरा मेल

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को सुबह राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब अदालत प्रशासन को फिर से एक धमकी-भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस मेल में कोर्ट परिसर में बम लगाए होने की चेतावनी दी गई थी। ई-मेल मिलते ही सुरक्षा एजेंसियाँ सतर्क हो गयी और बिना समय गंवाए पूरे परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। वकीलों, कर्मचारियों, वादकताओं एवं आगंतुकों को सुरक्षित बाहर निकालकर सभी न्यायिक कार्यवाही तुरंत स्थगित कर दी गई। धमकी के बाद पुलिस, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), विशेष अभियान दल (एसओजी), बम निरोधक दस्ते और डॉग-स्क्वाड के कई दल उच्च न्यायालय परिसर पहुँचे। सुरक्षा दलों ने मुख्य भवन से लेकर पार्किंग, रिकॉर्ड रूम, गलियारों और आस-पास के क्षेत्रों तक विस्तृत तलाशी अभियान चलाया।

बड़ा ऐलान: 15 करोड़ घुमंतू-विमुक्त जातियों को मिलेगा घर, शिक्षा और पहचान पत्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में घुमंतु समुदाय के लोगों की संख्या करीब 15 करोड़ है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार जरूरी कदम उठा रही है। लोकसभा में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि सन 2015 में इन समुदायों की समस्याओं की समाधान के लिए एक आयोग बनाया गया और इस आयोग ने 2017 में रिपोर्ट पेश की जिसमें घुमंतू तथा ऐसी ही जातियों के लोगों की जनसंख्या 15 करोड़ से अधिक बताई गई। उन्होंने कहा कि सरकार इन घुमंतू जातियों कर कल्याण के लिए काम कर रही है और उन्हें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उनका कहना था की इन जातियों के विकास के लिए बोर्ड बनाया गया है और इसके तहत उन्हें आवास भी दिए जा रहे हैं। इस समुदाय के बच्चों के शिक्षा के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों की तरह सुविधा भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें मदद दी जा रही है और सभी राज्यों से इस दिशा में जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। घुमंतू आबादी के 1200 समुदायों की गणना की गई है। राज्य सरकारों से इन समुदाय के लोगों को चाहे वे अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति में आते हो या नहीं आते हों, उन्हें जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि कई जगह से घुमंतू जाति के लोगों को जाति एवं जन्म प्रमाण पत्र मिलने में दिक्कत हो रही है।

पीएम मोदी ने राजग सांसदों को दिया जीवन सरलता का मंत्र

कानून लोगों की सुविधा के लिए, बोझ नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि कानून या नियम आम लोगों की सुविधा के लिए होने चाहिए और उनकी वजह से किसी निर्दोष भारतीय को असुविधा नहीं होनी चाहिए। यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सुधार सिर्फ अर्थव्यवस्था में ही नहीं, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में किए जाने चाहिए। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को बहुत अच्छे दिशानिर्देश दिए। इस बैठक में राजग के सभी सांसद शामिल हुए। रीजीजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी भारतीय नागरिक को किसी कानून या नियम की वजह से कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नियम-कानून आम लोगों की सुविधा एवं उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हों। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा कि कानून किसी पर बोझ नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा के लिए होने चाहिए। नियम और कानून, व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए होने चाहिए, न कि लोगों को परेशान करने के लिए। ऐसा कोई कानून नहीं होना चाहिए जिससे लोगों को बेवजह की परेशान हो।उन्होंने कहा कि मोदी ने राजग के सभी सांसदों से कहा कि उन्हें विकास कार्यों को तिगुनी गति से बढ़ाने और युवाओं, खेलों और अन्य गतिविधियों से जुड़ने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। रीजीजू ने बताया कि बैठक की शुरूआत में मोदी को हाल में संपन्न बिहार चुनावों में राजग की शानदार जीत के लिए बधाई दी गई। संसद भवन परिसर में आयोजित राजग संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे. पी. नड्डा मौजूद रहे। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) नेता संजय झा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने प्रधानमंत्री को माला पहनाकर बधाई दी। सोमवार को बिहार के राजग नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मोदी से मुलाकात की थी और राज्य विधानसभा चुनावों में गठबंधन की शानदार जीत के लिए उन्हें बधाई दी थी। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने राजग सांसदों से कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की बड़ी जीत के बाद जनता के कल्याण के लिए और अधिक जोश के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा, बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है।

पिछले माह हुए 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा चुनावों में राजग ने 202 सीट हासिल कीं, जिससे जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। गठबंधन सहयोगियों में भाजपा ने 89, जद(यू) ने 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने पांच और रालोमो ने चार सीट जीतीं।

नाइट क्लब अग्निकांड: गोवा पुलिस ने इंटरपोल ब्लू नोटिस जारी करने के लिए सीबीआई से किया संपर्क

नई दिल्ली। गोवा पुलिस ने नाइटक्लब अग्निकांड मामले में मुख्य आरोपी एवं क्लब के मालिकों सौरभ और गौरव लूथरा के खिलाफ इंटरपोल ब्लू नोटिस जारी करने के लिए केंद्रीय

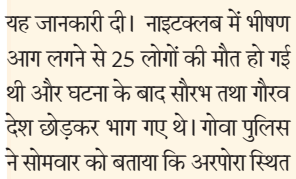

अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नाइटक्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी और घटना के बाद सौरभ तथा गौरव देश छोड़कर भाग गए थे। गोवा पुलिस ने सोमवार को बताया कि अरपोरा स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में शनिवार को यह घटना हुई थी और यह माना जा रहा है कि इसके मालिक सौरभ लूथरा तथा गौरव लूथरा घटना के कुछ घंटे बाद ही थाईलैंड के फुकेत भाग गए। इंटरपोल ब्लू नोटिस किसी आपराधिक जांच के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए जारी किया जाता है। एजेंसी भगोड़ों का पता लगाने के लिए गोवा पुलिस के अनुरोध के बाद इंटरपोल के संपर्क में है। भगोड़ों को हिरासत में लेने का प्रावधान देने वाले रेड नोटिस केवल आरोप पत्र दाखिल होने तथा वांछित व्यक्ति के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद ही जारी किया जा सकता है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गोवा पुलिस ने सौरभ और गौरव लूथरा को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए सीबीआई के इंटरपोल प्रभाग के साथ समन्वय करने के मकसद से कदम उठाए हैं।पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई।

पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर एससी सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उच्चतम न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सनातनी संसद नाम के एक संगठन की याचिका पर भारत के चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। याचिका में पश्चिम बंगाल राज्य के वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद फाइनल पब्लिकेशन तक राज्य पुलिस अधिकारियों को चुनाव आयोगके डेप्युटेशन पर तैनात करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट वी गिरी ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच को बताया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर ड्यूटी कर रहे बूथ लेवल ऑफिसर्स के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं और इसलिए सेंट्रल फोर्स की तैनाती की जरूरत है, क्योंकि राज्य इसके खिलाफ है। गिरी ने कहा, बीएलओ को सुरक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने बीएलओ के लिए अंतरिम सुरक्षा की भी मांग की।इस पर सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी संवैधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें, वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

ममता बनर्जी का केंद्र पर हल्ला बोल, कहा

फंड रोकने से नहीं रुकेगा बंगाल का विकास

पश्चिम बंगाल। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य को किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है और वे सभी कल्याणकारी योजनाओं का संचालन स्वयं करेंगे, जिसमें मनरेगा भी शामिल है। उन्होंने एनआरसी और सीएए का कड़ा विरोध दोहराते हुए स्पष्ट किया कि बंगाल में डिटेंशन कैंप स्थापित नहीं होंगे, और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताई।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार को किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है और सभी कल्याणकारी योजनाओं को

स्वतंत्र रूप से चलाना जारी रखेगी। उन्होंने एनआरसी और सीएए के प्रति अपने कड़े विरोध को भी दोहराया और घोषणा की कि बंगाल कभी भी डिटेंशन कैंप की अनुमति नहीं देगा। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि हमें केंद्र से किसी मदद की आवश्यकता नहीं है; हम सभी योजनाएँ स्वयं चला रहे हैं। परसों, उन्होंने (केंद्र ने) हमें एक नोटिस जारी कर 6 दिसंबर तक तिमाही श्रम बजट जमा करने को कहा था। लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि आपके नोटिस का कोई महत्व नहीं है। बंगाल 100 दिनों का कार्य कार्यक्रम अपने दम पर चलाएगा। मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया और कहा कि बंगाल में कोई डिटेंशन कैंप नहीं होगा। न एनआरसी, न सीएए, हम इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम लोकतंत्र बचाएँगे और बंगाल को बचाएँगे। मनरेगा फंड के निलंबन को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। ममता ने कहा, उन्होंने 100 दिनों के काम के लिए धनराशि रोक दी। मैंने प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और धनराशि फिर से शुरू करने की अपील की। ??निचली अदालत से लेकर उच्च न्यायालय तक, सभी ने 100 दिनों का काम शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

वंदे मातरम के पहले दो छंदों के इस्तेमाल का फैसला सिर्फ नेहरू का नहीं था:खरगे

नई दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा नेताओं पर जवाहरलाल नेहरू का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वंदे मातरम के पहले दो छंदों को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाने का निर्णय केवल नेहरू का नहीं था, बल्कि यह निर्णय महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और अन्य नेताओं की सहमति से लिया गया था।वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरा होने पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस पर बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखित इस गीत को बांटने का आरोप लगाया, लेकिन कांग्रेस नेता हमेशा से वंदे मातरम का उद्घोष करते रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस पर यह आरोप लगाने के बाद कि केवल दो छंदों को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाने के पीछे तुष्टीकरण की राजनीति थी, खरगे ने अपने भाषण की शुरूआत वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए की। खरगे ने कहा, हम हमेशा से वंदे मातरम्-गा रहे हैं। लेकिन जिन्होंने इसे नहीं गाया, वे अब गा रहे हैं। यह वंदे मातरम् की शक्ति है। यह राष्ट्रीय उत्सव है, बहस नहीं।

चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है भाजपा : राहुल

नई दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र में आज चुनाव सुधारों पर चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव की निष्पक्षता का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने वोट चोरी के मुद्दे को उठाते हुए भाजपा औ? मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा।

शीतकालीन सत्र में मंगलवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव सुधारों पर हो रही चर्चा में शामिल हुए। चर्चा के दौरान खादी पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, देश के पहनावे में देश की झलक दिखती है। खादी देश की भावना है। हमारा देश 150 करोड़ लोगों से बना है। देश के सारे धागे एक जैसे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है। नाथूराम गोडसे ने गांधी को मारा। यह असहज करने वाला सत्य है। चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सदन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की छाती में तीन गोलियां लगीं। नाथूराम गोडसे ने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या कर दी। आज हमारे दोस्तों ने उन्हें दूर धकेल दिया है। वह एक असहज सच्चाई हैं, लेकिन प्रोजेक्ट यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसा कि मैंने कहा, सब कुछ वोट से निकला है। सभी संस्थाएं वोट से निकली हैं। इसलिए यह साफ है कि आरएसएस को उन सभी संस्थाओं पर कब्जा करना होगा जो वहां से निकली हैं। राहुल गांधी ने कहा, सभी जानते हैं कि कैसे भारत के विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलरों की नियुक्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे कोई मतलब नहीं है कि व्यक्ति की योग्यता क्या है, बस उसकी एक योग्यता है कि वह संघ से जुड़ा हो। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा कि आप चुनाव सुधार पर ही बोलिए, किसी संगठन का नाम मत लीजिए। राहुल के बायन पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सभी लोग नेता प्रतिपक्ष को सुनने के लिए ही बैठे हैं। अगर वह विषय पर ही नहीं बोलेंगे, तो क्यों समय खराब कर रहे हैं सबका। चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल सत्ता पक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा किया गया है। सीबीआई, ईडी पर भी एक संस्था से जुड़े लोगों ने कब्जा किया गया है। तीसरी संस्था चुनाव आयोग पर भी एक संस्था का कब्जा है, जो देश में चुनाव को नियंत्रित करती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। सीजेआई को सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया से हटाया गया। एक तरफ पीएम मोदी और अमित शाह बैठे थे और दूसरी तरफ मैं। किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। दिसंबर 2023 में नियम बदल यह प्रावधान किया कि किसी भी चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया।

लखनऊ में यूपी सीएसआर राउंडटेबल 2025 में 30 से अधिक कंपनियों ने की सहभागिता

लखनऊ, : व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ में ह्यह्यउत्तर प्रदेश सीएसआर राउंडटेबल 2025 ऑन स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी का सफल आयोजन किया गया। इस परामर्श-सत्र में देश की 30 से अधिक प्रमुख कंपनियों, फाउंडेशनों एवं संस्थानों ने भाग लेकर प्रदेश के कौशल एवं रोजगार पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत चर्चा की। योगी सरकार के नेतृत्व में राज्य को एक भविष्य-उन्मुख, सक्षम एवं कौशल-प्रधान अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने के निरंतर प्रयासों की श्रृंखला में यह आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा,

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन में व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करना, प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारना, उभरते कौशल क्षेत्रों में पहुंच का विस्तार तथा उद्योग-संलग्न प्रशिक्षण मॉडल को बढ़ावा देना विभाग की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। योगी सरकार के विजन के अनुरूप युवाओं को उद्योग-उन्मुख कौशल से जोड़कर उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग डॉ. हरि ओम ने कहा कि प्रदेश सरकार कौशल-आधारित मानव संसाधन निर्माण के लिए व्यापक संरचनात्मक सुधार कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में प्रशिक्षण अवसंरचना को जिला एवं ब्लॉक स्तर तक सुदृढ़ करने, स्मार्ट लैब्स एवं आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, उद्योग-संलग्न पाठ्यक्रमों का विकास तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों तक ले जाने हेतु विभाग एक व्यापक कार्ययोजना पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के साथ बढ़ती साझेदारी से राज्य में रोजगारपरक कौशल विकास को नई गति मिल रही है और युवाओं के लिए उन्नत अवसरों का विस्तार हो रहा है। मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन पुलकित खरे, आईएएस ने कहा कि सीएसआर आधारित सहयोग से उद्योग-आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार और अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने बताया कि यूपीएसडीएम द्वारा डिजिटल कौशल, हरित कौशल, उन्नत विनिर्माण तकनीक, सेवा-क्षेत्र आधारित रोजगारों तथा महिला-प्रधान आजीविका कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी अपरेंटिसशिप को मजबूत करेगी और प्रदेश का युवा वर्ग सीधे उद्योग से जुड़कर अधिक रोजगार-सृजन में सक्षम होगा। अग्रणी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों की सक्रिय भागीदारी यह प्रमाणित करती है कि उत्तर प्रदेश तेजी से देश के प्रमुख ह्यह्यराष्ट्रीय प्रतिभा केंद्रह्नह्न के रूप में उभर रहा है। योगी सरकार के नेतृत्व में सरकारी, औद्योगिक और सीएसआर साझेदारियों का यह सशक्त ढांचा आने वाले वर्षों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार अवसरों का विस्तार करेगा और राज्य के आर्थिक परिवर्तन को नई गति प्रदान करेगा।

ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती है-भारतीय रेल

गोरखपुरः केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की भारतीय रेलवे ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करता है। कई वजहें ट्रेनों के समय पर चलने पर असर डालती हैं, जिनमें कोहरा, रास्ते में रुकावट, एसेट मेंटेनेंस, अलार्म चेन खींचना, आंदोलन, मवेशियों का कुचल जाना और दूसरी अचानक आने वाली परिस्थितियां शामिल हैं। 2024-25 के दौरान भारतीय रेलवे पर मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की कुल समय पर चलने की क्षमता 77.12% थी और 2025-26 (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान लगभग 80% थी। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की कुल ऑक्यूपेंसी लगभग 100% रही है। वंदे भारत का स्लीपर वेरिएंट देश में ही डिजाइन और डेवलप किया गया है। ऐसे दो रेक पहले ही बनाए जा चुके हैं और बड़े पैमाने पर ट्रायल/कमीशनिंग के दौर से गुजर रहे हैं। अभी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (508 किमी) जापान सरकार की टेक्निकल और फाइनेंशियल मदद से चल रहा है। हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट्स में बहुत ज्यादा कैपिटल लगता है और नया प्रोजेक्ट शुरू करने का कोई भी फैसला कई बातों पर निर्भर करता है, जैसे टेक्निकल फिजिबिलिटी, फाइनेंशियल और इकोनॉमिक वायबिलिटी, ट्रैफिक डिमांड और फंड और फाइनेंसिंग ऑप्शन की उपलब्धता वगैरह।

यात्रियों की सुविधा हेतु ट्रेनों के दोनों सिरों पर जनरल क्लास कोच

गोरखपुरःकेंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की जनरल क्लास/अनरिजर्व्ड यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, जिन ट्रेनों में जनरल क्लास/अनरिजर्व्ड कोच हैं, उनमें दोनों सिरों पर जनरल क्लास कोच लगाने के बारे में पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब तक, ज्यादातर ट्रेनें, जिनमें जनरल क्लास/अनरिजर्व्ड कोच हैं, उनमें दोनों सिरों पर जनरल क्लास कोच लगाए जा चुके हैं। बाकी ट्रेनें, जिनमें एक छोर पर जनरल क्लास कोच हैं, उनमें दोनों सिरों पर जनरल क्लास कोच लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

बायोडिग्रेडेबल थाली में परोसे गये भोजन

गोरखपुर,ः यात्री प्रधान पूर्वोत्तर रेलवे अपने यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल सेवा प्रदान करने हेतु अग्रसर है। इसी क्रम में महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित

एवं पर्यावरण अनुकूल सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गोरखपुर स्टेशन पर भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइ.आर.सी.टी.सी) द्वारा संचालित जन आहार पर यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन बायोडिग्रेडेबल थालियों में देना प्रारम्भ कर दिया है। बायोडिग्रेडेबल थालियाँ पूर्णतः प्राकृतिक रूप से नष्ट होने योग्य सामग्री से बनाई जाती है, जो आसानी से नष्ट हो जाती है, जिससे स्टेशन परिसर को स्वच्छ तथा प्लास्टिक मुक्त रखने में मदद मिलती है। बायोडिग्रेडेबल थाली के उपयोग से प्लास्टिक कचरे में भारी कमी आयेगी तथा स्टेशन परिसर की स्वच्छता बेहतर होगी। स्वच्छता बनाये रखने हेतु पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली के लिए 04 विशेष ट्रेनों का संचलन 06 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर : रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली के लिए 04 विशेष ट्रेनों का संचलन 06 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा। 05563 दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी 10, 11, 13 एवं 14 दिसम्बर,2025 को दरभंगा से 18.15 बजे प्रस्थान कर समस्तीपुर से 20.05 बजे, मुजफ्फरपुर से 22.20 बजे, हाजीपुर से 23.55 बजे, दूसरे दिन छपरा से 01.50 बजे, बलिया से 03.07 बजे, गाजीपुर सिटी से 04.07 बजे, वाराणसी से 06.00 बजे, प्रयागराज जं. से 08.45 बजे तथा गोविन्दपुरी से 12.50 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 21.15 बजे पहुंचेगी तथा वापसी यात्रा में 05564 आनन्द विहार टर्मिनस-दरभंगा विशेष गाड़ी 12, 13, 15 एवं 16 दिसम्बर,2025 को आनन्द विहार टर्मिनस से 00.05 बजे प्रस्थान कर गोविन्दपुरी से 07.35 बजे, प्रयागराज जं. से 10.35 बजे, वाराणसी से 13.15 बजे, गाजीपुर सिटी से 14.47 बजे, बलिया से 16.12 बजे, छपरा से 17.40 बजे, हाजीपुर से 19.00 बजे, मुजफ्फरपुर से 19.55 बजे तथा समस्तीपुर से 21.30 बजे छूटकर दरभंगा 23.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 03, शयनयान के 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितिय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे। 05565 दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी 09 एवं 12 दिसम्बर,2025 को दरभंगा से 18.15 बजे प्रस्थान कर समस्तीपुर से 20.05 बजे, मुजफ्फरपुर से 22.20 बजे, हाजीपुर से 23.55 बजे, दूसरे दिन छपरा से 01.50 बजे, बलिया से 03.07 बजे, गाजीपुर सिटी से 04.07 बजे, वाराणसी से 06.00 बजे, प्रयागराज जं. से 08.45 बजे तथा गोविन्दपुरी से 12.50 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 21.15 बजे पहुंचेगी तथा वापसी यात्रा में 05566 आनन्द विहार टर्मिनस-दरभंगा विशेष गाड़ी 11 एवं 14 दिसम्बर,2025 को आनन्द विहार टर्मिनस से 00.05 बजे प्रस्थान कर गोविन्दपुरी से 07.35 बजे, प्रयागराज जं. से 10.35 बजे, वाराणसी से 13.15 बजे, गाजीपुर सिटी से 14.47 बजे, बलिया से 16.12 बजे, छपरा से 17.40 बजे, हाजीपुर से 19.00 बजे, मुजफ्फरपुर से 19.55 बजे तथा समस्तीपुर से 21.30 बजे छूटकर दरभंगा 23.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 02, शयनयान के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

श्री वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

गोरखपुरः रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री श्री वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस का आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस शुरू किए जाने से कई दूरगामी लाभ होंगे। इससे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूती मिलेगी। यह श्रद्धालुओं के लिए आंध्र प्रदेश की दक्षिण तटीय पट्टी से शिरडी के लिए पहली सीधी ट्रेन सेवा है। यह ट्रेन भारत के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों, तिरुपति और शिरडी को सीधे जोड़ कर तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी। इस नई ट्रेन से इसके मार्ग में तीर्थ पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा यह क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी।

यह यात्रियों को सुरक्षित, आरामदेह और निर्बाध अंतरराज्यीय यात्रा का विकल्प मुहैया कराएगी। इससे तीर्थयात्रियों के समग्र रेल यात्रा अनुभव में वृद्धि होगी। इस साप्ताहिक ट्रेन से तीर्थयात्री निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन को एक तरफ की यात्रा पूरी करने में लगभग 30 घंटों का समय लगेगा। वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस के शुभारंभ को चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल सिर्फ परिवहन का माध्यम नहीं है। यह देश की जीवन रेखा के रूप में क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ती भी है। रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री ने कहा कि अब तिरुपति और शिरडी सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ गए हैं। यह ट्रेन नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर और मनमाड़ समेत 31 महत्वपूर्ण स्थानों पर रुकेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से तीर्थ पर्यटन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलने के साथ ही इसके मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद से सीधी कनेक्टिविटी मुहैया कराएगी। अपने मार्ग में यह एक महत्वपूर्ण शैव मंदिर परली वैजनाथ को भी जोड़ेगी। श्री वी सोमन्ना ने कहा कि आंध्र प्रदेश में 2014 से रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का साझा औसत रेल बजट 886 करोड़ रुपए का था। यह 11 गुना बढ़ कर 2025-26 में 9417 करोड़ रुपए का हो गया। राज्य में 93000 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं पर काम जारी है। आंध्र प्रदेश में 2014 से अब तक 1580 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गई और 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा किया गया।

31 दिसंबर से दो जनवरी तक बंद हुई आरती और दर्शन की ऑनलाइन बुकिंग

वाराणसी। 31 दिसंबर से दो जनवरी तक काशी विश्वनाथ मंदिर में आरती और दर्शन की ऑनलाइन बुकिंग बंद हो गई है। नए साल पर भीड़ के दबाव को देखते हुए ये निर्णय लिया गया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में नए साल पर श्रद्धालुओं को आरती व दर्शन के लिए ऑनलाइन टिकट नहीं मिलेंगे। मंदिर प्रशासन ने भीड़ के दबाव को देखते हुए अभी से ही 31 दिसंबर से दो जन्आवरी तक के टिकट की ऑनलाइन बुकिंग को बंद कर दिया है। वहीं अगले महीने भर के लिए आरती के सभी स्लॉट फुल हो चुके हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में अगले एक महीने तक आरती के लिए सभी टिकट बुक हो चुके हैं। महज सात जनवरी के लिए 70 टिकट उपलब्ध हैं जो आने वाले 24 घंटे में बुक हो सकते हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने

बताया कि धाम बनने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव को देखते हुए प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर से दो जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग बंद रहती है। इस बार भी 31 दिसंबर से दो जनवरी तक ऑनलाइन बुकिंग को बंद कर दिया गया है। स्पर्श दर्शन के संबंध में भीड़ के सापेक्ष सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति के अनुसार उसी समय ही निर्णय लिया जाता है। उन्होंने बताया कि मंदिर की चार प्रहर की आरती के लिए बुकिंग की सुविधा मंदिर की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मंदिर के ऐप पर सुगम दर्शन व रुद्राभिषेक की बुकिंग ही उपलब्ध है। मंदिर के ऐप पर आरती के लिए टिकट बुकिंग को बंद कर दिया गया है। मंदिर की आरती के एडवांस टिकट के लिए ऑनलाइन बुकिंग एक माह के लिए ही उपलब्ध होती है। मंदिर की वेबसाइट और ऐप पर सुगम दर्शन व रुद्राभिषेक के 2 जनवरी के बाद के टिकट उपलब्ध हैं। वेबसाइट पर मंगला आरती के 7 तारीख के लिए 70 टिकट उपलब्ध हैं।

ईएसआई का आरोग्य मंथन कार्यक्रम 11 दिसंबर को, मोबाइल माइक्रोसाइट और विशेष स्वास्थ्य पहल की होगी शुरूआत

कानपुर। उत्तर प्रदेश में श्रमिकों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लक्ष्य से ईएसआई का आरोग्य मंथन कार्यक्रम 11 दिसंबर को आयोजित होगा। इसमें मोबाइल माइक्रोसाइट और महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य पहल शुरू की जाएगी। कानपुर में कर्मचारी राज्य बीमा योजना उत्तर प्रदेश के आगामी

आरोग्य मंथन कार्यक्रम को लेकर आज अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी साझा की। यह महत्वपूर्ण आयोजन 11 दिसंबर को विकास नगर स्थित शास्त्री भवन में होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल राजभर, श्रम एवं सेवायोजन विभाग के मंत्री उपस्थित रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. एमकेएस सुंदरम, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में ई-मोबाइल माइक्रोसाइट, माइक्रोबस सुविधा, महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य पहल और उपचार सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने जैसे कदमों की शुरूआत की जाएगी। 12 दिसंबर को संदेश-वाहन यात्रा भी निकाली जाएगी निदेशक कर्मचारी राज्य बीमा योजना उत्तर प्रदेश, सौम्या पांडेय ने बताया कि ये नई पहलें दूर-दराज के श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही 12 दिसंबर को संदेश-वाहन यात्रा भी निकाली जाएगी, जो श्रमिक परिवारों को स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी देगी। कार्यक्रम को श्रमिक हितों की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है।

प्रिंसिपल के राउंड में रंगे हाथ पकड़ाया दलाल बैग से मिले आधार कार्ड और ब्लड सैंपल

कानपुर। हैलट हॉस्पिटल में प्रिंसिपल संजय काला ने कमीशन के लिए मरीजों को प्राइवेट लैब में ले जा रहे एक दलाल को रंगे हाथ पकड़ा। उसके बैग से ब्लड सैंपल और मरीजों के आधार कार्ड जैसे अहम दस्तावेज मिले हैं। कानपुर में सरकारी हॉस्पिटल से मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों और पैथालॉजी में ले जाने वाले एक बड़े सिंडिकेट का पदार्फाश हुआ है। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हैलट हॉस्पिटल में प्रिंसिपल संजय काला ने खुद राउंड के दौरान एक दलाल को रंगे हाथ पकड़ा। बताया जा रहा है कि हैलट हॉस्पिटल में मरीजों को बहला-फुसलाकर प्राइवेट पैथालॉजी और हॉस्पिटल में ले जाने का एक बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है, जिसके एवज में दलालों को भारी कमीशन मिलता है। प्रिंसिपल संजय काला ने राउंड के दौरान एक दलाल को पकड़ा है। दलाल के बैग से कई दस्तावेज बरामद पकड़े गए दलाल के बैग से कई ब्लड सैंपल, मरीजों के आधार कार्ड, और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए, जो इस रैकेट में उसकी संलिप्तता साबित करते हैं।

कांग्रेस नेता के सामने फूट- फूटकर रोई आनंद ज्योति सिंह की पत्नी

वाराणसी। अजय राय मंगलवार को अधिवक्ता राजा आनंद ज्योति सिंह के परिजनों से मिले। इस दौरान मृत अधिवक्ता की पत्नी फूट- फूटकर रोई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार की सुबह अधिवक्ता स्व. राजा आनंद ज्योति सिंह के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान अधिवक्ता की पत्नी उनके सामने फूट- फूटकर रोई और कहा कि

बर्बाद कर दिया सब कुछ, क्या कसूर था मेरे पति का? अजय राय चौबेपुर थाना क्षेत्र के बरथरा कला में परिवार के आवास पर पहुंचे। परिजनों का कहना है कि एक साल से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट और धमकी देने के आरोप में चार नामजद

बस्ती। थाना छावनी क्षेत्र के ग्राम अतरौरा झाम में पांच दिसंबर को बच्चों की बात को लेकर हुए विवाद में महिला और उसकी दोनों बेटियों के साथ मारपीट तथा गाली-गलौज किए जाने का मामला दर्ज हुआ है। वहां की राजपता पत्नी शिव नारायण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के विपक्षीगण बच्चों की बात पर नाराज होकर उसके साथ-साथ उसकी बेटियों मनीषा और रुबी को गाली देते हुए लात-घूंसे से मारपीट करने लगे। एसओ जनार्दन प्रसाद ने बताया कि सोनू, राज कुमार व मनीराम पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रमुख माध्यम

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मार्गदर्शन में आर्या परियोजना के तहत बकरी पालन विषय पर सात दिवसीय रोजगार परक प्रशिक्षण का समापन हो गया। यह प्रशिक्षण एक से सात दिसंबर तक हुआ। इसमें जनपद के 25 चयनित ग्रामीण युवाओं-युवतियों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम के समापन पर प्रभारी अधिकारी डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख माध्यम है। कम लागत, कम जोखिम और तेजी से लाभ देने वाली यह आजीविका गतिविधि युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट रोजगार विकल्प बनकर उभर रही है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर उन्नत एवं व्यावसायिक बकरी पालन की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. प्रेम शंकर ने बताया कि बकरी को गरीबों की गाय कहा जाता है। यह दूध, मांस, खाद और बच्चों के उत्पादन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आय में त्वरित वृद्धि करती है।

महिला के गले से चेन चोरी, ई-एफआईआर दर्ज

बस्ती। शहर कोतवाली क्षेत्र में ऑटो सवार महिला के गले से चेन चोरी होने की घटना सामने आई है। महिला ने प्रकरण में ई-एफआईआर दर्ज कराई है। मुंडेरवा थानाक्षेत्र की करसामाजा निवासी सत्यभामा पांडेय ने तहरीर में बताया कि तीन दिसंबर को वह बस्ती शहर आई थीं। पूर्वाह्न करीब 11 बजे रोडवेज से ऑटो पकड़कर गांधीनगर जा रही थीं। रास्ते में दो लड़कियां और दो महिलाएं ऑटो में सवार हो गईं। ऑटो में बैठते ही उन्होंने अजीब हरकतें शुरू कर दीं, जिससे महिला का ध्यान भटक गया और इसी बीच उनके गले से चेन चोरी कर ली गई।

ठेला लगाने को लेकर मारपीट, नौ नामजद

बस्ती। थाना कप्तानगंज क्षेत्र के महादेवा फेरसहन गांव में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे दुकान के सामने जबरन ठेला लगाने के विवाद में दुकानदार से मारपीट के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में गोविंदपारा निवासी विनय कुमार पटवा ने बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान विपक्षी उनकी दुकान के सामने जबरन ठेला लगाने लगे। मना करने पर रामचन्द्र निवासी रसोईया, अनमोल, रिंकू, मोनू, नीरज, धीरज, चंचल पाठक, शुभम श्रीवास्तव, गिरिजेश ने मारपीट और गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

युवती का शारीरिक शोषण करने के आरोप में एफआईआर

बस्ती। शादी का झांसा देकर एक युवती का दस साल तक शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। आरोप है कि इसके बाद शादी करने के लिए कहा तो आरोपी युवक मुकर गया। मुंडेरवा थानाक्षेत्र की रहने वाली युवती ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि इसी थानाक्षेत्र के रहने वाले शिवानंद से उसका करीब 10 वर्ष पहले संपर्क हुआ। शिवानंद ने उसके साथ शादी करने वादा किया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इस बीच उसने उसकी अश्लील फोटो भी बना ली। 25 मई को जब उसने उस पर शादी करने का दबाव बनाया तो वह मुकर गया और इसकी शिकायत पुलिस या अन्य किसी से करने पर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत मामले में एफआईआर

बस्ती। थाना परशुरामपुर क्षेत्र के सुरैला गांव निवासी पिता-पुत्र की सड़क हादसे में मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन के चालक पैकोलिया थानाक्षेत्र के इटवाराजा निवासी त्रिभुवन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में रीता देवी ने बताया कि उनके पति सुभाष चन्द्र (49) और पुत्र आदित्य गुप्ता (18) अरजानीपुर मैरिज हॉल से गांव की एक शादी में शामिल होकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। किसान इंटर कॉलेज के पास विपरीत दिशा से आ रहे वाहन के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक गलत साइड में आकर उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

ढाबे पर बिल के विवाद में मारपीट, तीन नामजद

दबस्ती। हाईवे के किनारे स्थित थाना पुरानी बस्ती अंतर्गत हरिओम ढाबा पर 6/7 दिसंबर की रात खाने के बिल चुकाने के विवाद में ढाबे के कर्मचारियों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ढाके के कैशियर श्यामदेव निवासी निवासी विशुनपुरवा थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर की तहरीर पर पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के पांडेय बाजार नई बाजार निवासी अभिषेक गुप्ता, बनरही निवासी मोनू चौरसिया और खवासबारी निवासी शिवप्रसाद पर एफआईआर दर्ज किया है।

वृद्ध को बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर

वाल्टरगंज। डुमरियागंज मार्ग पर स्थित जिनवा नारायणपुर चौराहे के समीप सोमवार को एक अज्ञात बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे वृद्ध को चपेट में ले लिया। इसी थानाक्षेत्र के पकरी भीखी निवासी 65 वर्षीय राम नारायण शुक्ल सड़क पार कर रहे थे। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें प्राइवेट वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलटोवा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आज से

बस्ती। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से चल रही विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता में मंगलवार से महादेवा विधानसभा क्षेत्र का खेल होगा। दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत झिनकूलाल इंटर कॉलेज कलवारी से होगी। एथलेटिक्स, बालक-बालिका के सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग 100, 200, 800 मीटर, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, जैवलिन, वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता होगी। इसमें कुदरहा, बनकटी और बहादुरपुर ब्लॉक के खिलाड़ी शामिल होंगे।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

बस्ती। जनपद के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं में महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और अधिकारों के बारे में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। थाना कलवारी की टीम ने बहादुरपुर में छात्राओं और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण और हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया।

फिर ऐसा किया तो रिश्ता खत्म रूट वाली घटना के बाद ग्रेस की पिता मैथ्यू हेडन को 'धमकी' !

सिडनी। यह पूरा मामला क्रिकेट के मैदान जितना ही मनोरंजक बन गया। जो रूट के शतक ने न सिर्फ इंग्लैंड की उम्मीदें बनाए रखीं, बल्कि एक पूर्व क्रिकेटर को सार्वजनिक शर्मिंदगी से भी बचाया। वहीं, ग्रेस हेडन की प्रतिक्रिया ने क्रिकेट फैंस के चेहरे पर मुस्कान ला दी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ओपनर मैथ्यू हेडन हाल ही में सोशल मीडिया और क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा का बड़ा कारण बने। उन्होंने एशेज सीरीज में इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट के प्रदर्शन को लेकर एक अजीबोगरीब शर्त रख दी थी। हेडन ने कहा था कि अगर जो रूट इस एशेज टेस्ट सीरीज में शतक नहीं लगाते, तो वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (टउॠ) पर न्यूड होकर चक्कर लगाएंगे, लेकिन जैसे ही जो रूट ने दूसरे टेस्ट में नाबाद 138 रन की शानदार पारी खेली, हेडन को उनकी इस अजीब शर्त पर अमल करने से मुक्ति मिल गई।

सूर्य देव बदलेंगे दिशा : दक्षिणायन से उत्तरायण की होगी शुरुआत

21 दिसंबर को साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात

■ ग्वालियर

सर्दी के मौसम में 21 दिसंबर को ब्रह्मांड में महत्वपूर्ण खगोलीय घटना देखने को मिलेगी। सूर्य देव के दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश करने के चलते इस दिन साल का सबसे छोटा दिन होगा। इसकी अवधि 10 घंटे, 16 मिनट होगी। इसके साथ ही सबसे लंबी रात 13 घंटे 44 मिनट की होगी यानी दिन व रात में तीन घंटे व 28 मिनट का अंतर होगा।

वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन ने बताया कि सूर्य की गति प्रत्यक्ष रूप से दक्षिण दिशा में सबसे अधिक झुक जाती है तब पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। इस कारण इस दिन का मान सबसे कम और रात्रि मान सबसे ज्यादा रहता है। दूसरी वजह मकर रेखा पर सूर्य का अधिकतम झुकाव 23.5 अंश होता है। पृथ्वी की अक्ष का झुकाव इस कारण सूर्य पृथ्वी पर सबसे सबसे दक्षिण बिंदु पर दिखता है। उन्होंने बताया कि इस दिन से सूर्य का दक्षिणायन से उत्तरायण की तरफ मुड़ना शुरू होता है। सूर्य धीरे-धीरे उत्तर की तरफ बढ़ता है। ये दिन देवताओं के दिन कहलाते हैं। श्री जैन ने बताया कि इस दौरान सर्दी का प्रकोप बढ़ेगा। देश के कई राज्य शीतलहर की चपेट में आ जाएंगे।

पनिहार आदिश्वर धाम में होगा वेदी शिलान्यास

ग्वालियर। पनिहार स्थित अति प्राचीन दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री आदिश्वर धाम भौंरा में मेडिटेशन गुरु विहसंत सागर महाराजा और मुनि विश्व सौम्य सागर महाराज के सानिध्य में 9 और 10 दिसम्बर को भव्य वेदी शिलान्यास समारोह होगा। प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि दो दिवसीय शिलान्यास समारोह के लिए सोमवार को उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज के ससंघ का आदिश्वर धाम में मंगल प्रवेश हुआ।

डबरा आरओबी पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

■ जिलाधीश ने सुरक्षा के मद्देनजर जारी किया आदेश

■ ग्वालियर

डबरा में राष्ट्रीय राजमार्ग-51 के 0+900 स्थित रोड ओवरब्रिज (आरओबी) पर अब भारी वाहन नहीं चल सकेंगे। जिलाधीश रुचिका चौहान ने आम जनों की सुरक्षा और पुल की संरचनागत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संभागीय प्रबंधक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर की गई है।

जारी आदेश में भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए गए हैं। दतिया से भितरवार व हरसी की ओर जाने वाले वाहन अब पुराने एनएच-75 से ठाकुर बाबा मार्ग होकर अंबेडकर चौराहा मुख्य मार्ग से डबरा-भितरवार मार्ग तक जाएंगे। वहीं ग्वालियर से भितरवार, हरसी दिशा में जाने वाले वाहन एनएच-75 (पिछोर तिराहा) से जेल रोड, चितौरा रोड होते हुए अंबेडकर चौराहा और आगे भितरवार मार्ग से गुजरेंगे। इसके अलावा एनएच-44 से आने वाले भारी वाहनों को कल्याणी तिराहा से छीमक और बागवई के रास्ते भितरवार-हरसी मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया है।

संपत्तिकर वसूली में सुस्ती पर निगमायुक्त सख्त

लोक अदालत में 10 करोड़ वसूली का लक्ष्य

■ ग्वालियर

खराब वित्तीय हालात से जूझ रहे नगर निगम में अब वेतन भुगतान संकट के बादल मंडराने लगे हैं। ऐसे में सोमवार को निगम मुख्यालय में हुई संपत्तिकर समीक्षा बैठक में निगमायुक्त संघ प्रिय का कड़ा रुख देखने को मिला। समीक्षा में खुलासा हुआ कि इस वर्ष की वसूली पिछले वर्ष से करीब 7 करोड़ रुपए पीछे है, जिस पर निगमायुक्त ने नाराजगी जताते हुए पूरे अमले को मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने स्पष्ट कहा कि आगामी 13 दिसंबर की नेशनल लोक अदालत में कम से कम 10 करोड़ रुपए की वसूली सुनिश्चित की जाए। इसके लिए जरूरी है कि हर संपत्ति धारक को बिल समय पर तामील हो और करसंग्रहक घर-घर पहुंचकर वसूली बढ़ाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई तय है और उपायुक्तों द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर सात दिन के भीतर कार्रवाई होगी। बैठक में यह मुद्दा भी सामने आया कि कई संपत्तिकर आईडी में मोबाइल नंबर गलत दर्ज हैं, जिससे नोटिस और बिल की जानकारी समय पर नहीं पहुंच पाती। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि विशेष अभियान चलाकर गलत मोबाइल नंबर, डाटा एंट्री और नामांतरण से जुड़े सभी प्रकरणों का समयसीमा में सुधार व निराकरण किया जाए। समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, उत्तम जखेनिया, मुकेश बंसल, रजनीश गुप्ता सहित सभी एपीटीओ, राजस्व निरीक्षक, करसंग्रहक व विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

झोपड़ी व मकानों की करें नपाई

निगमायुक्त संघ प्रिय ने सोमवार की सुबह झांसी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी सड़क निर्माण में बाधक झुग्गी झोपड़ी व पक्के मकानों की नपाई कर साइड क्लीयर करने के निर्देश अधीनस्थ अमले को दिए। साथ ही ग्वालियर व्यापार मेले के आयोजन को लेकर मेला परिसर में 7 दिन में साफ-सफाई व्यवस्था ठीक कराने व मेले में डम्प कचरे को हटाने को कहा। साथ ही उसी क्षेत्र में सीवर चैंबर के ढक्कन बदलने, सेप्टिक टैंक सफाई करने व डाली जा रही सीवर लाइन कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, सीएचओ वैभव श्रीवास्तव, सहायक यंत्री प्रवीण दीक्षित उपस्थित थे।

एलएनआईपीई में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कल से

ग्वालियर। लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), में 10 से 12 दिसंबर तक खेलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक प्रभाव विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में खेल विज्ञान, प्रशिक्षण, बायोमैकेनिक्स, मानसिक स्वास्थ्य, निष्पक्ष खेल, गोपनीयता संरक्षण तथा एथलीट कल्याण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, मलेशिया सहित कई देशों के विशिष्ट वक्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रमुख वक्ताओं में ताकाशी फुकुशिमा, डॉ. निमाई परमार, सचिन आंचल, अनंद सलील मित्रा और डॉ. पीटर क्लाइन शामिल हैं। सम्मेलन के मुख्य संरक्षक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव हरी रंजन राव हैं, जबकि कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा संरक्षक की भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. यतेन्द्र कुमार सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ. वाई. एस. राजपूत कर रहे हैं। सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति और पैनल चर्चा के माध्यम से शोधकर्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

'जहां गाय की सेवा होती है वहां अकाल नहीं पड़ता'

■ ग्वालियर

भगवान श्री कृष्ण ने असुरों का वध करके पंचतत्वों पृथ्वी, जल,अग्नि, आकाश और वायु को पवित्र किया। कालिया नाग अपने परिवार सहित यमुना नदी में निवास करता था। उसके भयंकर विष से यमुना का जल एवं ब्रज का वायुमंडल विषैला हो गया था। बृजवासियों की रक्षा करने के लिए कृष्ण ने यमुना में कूदकर विशाल कालिया नाग का मर्दन किया और ब्रजवासियों को सुरक्षित किया। यह विचार श्री सनातन धर्म मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए अयोध्या दास महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बृज में रहकर श्री कृष्ण ने नंगे पांव गौ माता की सेवा की। गौ माता कोई पशु नहीं बल्कि परमात्मा का साक्षात् स्वरूप है। गौ माता में 33 कोटि देवता साक्षात विराजमान हैं, यह शाश्वत सत्य है। यह भी सत्य है जहां गाय की सेवा होती है वहां कभी दरिद्रता नहीं आती और उस भूमि पर कभी अकाल नहीं पड़ता। गौ मूत्र के सेवन से असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं। जिस घर में गाय के गोबर का लेपन होता है वहां सदैव सकारात्मक ऊर्जा रहती है। इस अवसर पर श्री गिरिराज गोवर्धन की झांकी सजाकर पूजा-अर्चना की गई और छप्पन भोग अर्पित किए गए।

ब्राह्मण परिचय सम्मेलन कार्यालय का उद्घाटन आज

सकल ब्राह्मण महासमिति की बैठक सोमवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए प्रकाश नारायण शर्मा ने बताया कि 9 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे ऊंट पुल जिंसी नाला किताब घर के बगल में ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा। यह उद्घाटन महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज करेंगे।

मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स 24 से:-

गरीब नवाज हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी का 814 वां उर्स स्थानीय दरगाह हजरत ख्वाजा खानून पर 24 से 26 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। उर्स संयोजक रामबाबू कटारे ने बताया कि दरगाह के सज्जादानशीन ख्वाजा राशिद खानूनी ने उर्स मेले की तारीखों की विधिवत घोषणा कर दी है। इसी के साथ उर्स की तैयारियां भी शुरू हो गई है।

भगवान को पाना है तो मन को करें निर्मल

अगर हमें भगवान को पाना है तो सबसे पहले हमको अपना मन निर्मल करना होगा। मन से छल, कपट और ईर्ष्या का त्याग करना होगा। यह विचार धर्म सभा को संबोधित करते हुए गिर्राज मंदिर ओल्ड हाईकोर्ट के समीप चल रही श्रीमद् भागवत कथा में राम शास्त्री ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि एक छोटे से ध्रुव ने 5 वर्ष की अवस्था में ही भजन कर निर्मल मन से भगवान को पा लिया था। इसके बाद वामन का अवतार, श्रीराम अवतार एवं श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ और प्रज्ञा पुराण कथा का भूमि पूजन आज

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के निर्देशन में गायत्री शक्तिपीठ गायत्री नगर तानसेन रोड एवं गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट के तत्वावधान में जागृति महिला मंडल द्वारा 16 से 19 दिसंबर तक जीवायएमसी मैदान में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा के लिए भूमि पूजन 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे यज्ञ स्थल पर आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिलीप तपा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रवीण अग्रवाल होंगे। कार्यक्रम संयोजक एवं जागृति महिला मंडल की संयोजिका बबली बंसल ने बताया कि प्रज्ञा पुराण कथा वाचन हेतु शांतिकुंज हरिद्वार की ब्रह्मवादिनी चार बहनें 15 दिसंबर को ग्वालियर आएंगी।

वेतन-एरियर भुगतान को लेकर भड़के सफाईकर्मी, कचरे के लगे ढेर

■ ग्वालियर

नगर निगम के आउटसोर्स और इको ग्रीन कंपनी के कर्मचारियों ने एरियर और वेतन समय पर न मिलने के विरोध में सोमवार सुबह ग्वालियर और दक्षिण डिपो पर काम बंद कर हड़ताल कर दी। हड़ताल के चलते दोनों ही डिपो से एक भी कचरा वाहन नहीं निकल पाया, जिससे शहर में डोर-टू-डोर कचरा उठाव पूरी तरह रुक गया। सुबह से दोपहर तक कई प्रमुख इलाकों में कचरे के ढेर पड़े रहे और दुर्गंध के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जैसे ही हड़ताल की खबर मिली, तो अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, कार्यशाला प्रभारी पुष्पेंद्र श्रीवास्तव और डिपो प्रभारी रामू सिंह तुरंत ग्वालियर विधानसभा डिपो पहुंचे और कर्मचारियों से चर्चा की। अधिकारी कर्मचारियों को काम पर लौटने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे, लेकिन कर्मचारी अपनी मांगों पर अडिग रहे। कर्मचारियों का कहना था कि तीन किस्तों के एरियर का भुगतान एक साथ किया जाए और हर महीने वेतन समय पर दिया जाए, जबकि अब तक केवल दो ही किस्तें जारी की गई हैं।

स्थिति को संभालने के लिए अपर आयुक्त ने शाम पांच बजे बैठक बुलाई। जिसमें कर्मचारियों ने साफ कहा कि निगम की ओर से बार-बार एरियर भुगतान का आश्वासन दिया गया, लेकिन हर बार देरी ही हुई है। साथ ही प्रतिमाह समय पर वेतन न मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि अगले एक-दो दिनों में सभी कर्मचारियों की सैलरी जारी कर दी जाएगी और फिलहाल एक माह का एरियर तुरंत दिया जा रहा है।

विनियमित व सेकंडरी वाहनों से कराया कचरा उठाव

कर्मचारियों की अचानक हड़ताल के चलते नगर निगम ने दोनों डिपो पर विनियमित कर्मचारियों और सेकंडरी वाहनों को लगाकर कचरा उठाने की व्यवस्था की। इसके बावजूद कई वार्डों में कचरा वाहन नहीं पहुंच पाए, जिससे मुख्य सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर बने रहे और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हुई।

भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचें, एक भी वोट न छूटे : खरे

■ ग्वालियर

हम सब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं। भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता छोटा-बड़ा नहीं होता है वह कार्यकर्ता ही रहता है।

यह बात भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं ग्वालियर संभाग के प्रभारी डॉ. निशांत खरे ने सोमवार को एक निजी होटल में आयोजित एसआईआर को लेकर एवं कार्यकर्ताओं की परिचयात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कही।

डॉ. खरे ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी मतदाता सर्वेक्षण प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि अभी हमारे पास तीन दिन बाकी हैं। हमको घर-घर पहुंचकर जिस मतदाता का वोट रह गया है उसका नाम वोटर लिस्ट में मैं जरूर बढ़वाना है। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि इस बात की चिंता करना है कि कोई अपना वोट छूट न जाए। पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता एक-एक घर पर जाएं और वहां पर देखें कि फॉर्म बंट गए हैं या नहीं, अगर बंटे हैं तो वह भर गए हैं कि नहीं और जहां नहीं बंटे हैं वहां पर आपको फॉर्म बंटवाना है और बीएलओ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ काम करें। बैठक को एसआईआर के जिला प्रभारी नरेंद्र बिरथरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व मंत्री माया सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, वेदप्रकाश शर्मा, सभापति मनोज तोमर, एसआईआर के जिला संयोजक राजेंद्र जैन, महामंत्री विनोद शर्मा मंचासीन रहे।

बैठक का संचालन महामंत्री विनय जैन ने एवं आभार महामंत्री राजू पलैया ने व्यक्त किया ।

एनसीसी कैडेट्स ने साइकिल रैली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ ग्वालियर

पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय ग्वालियर की एनसीसी इकाई के कैडेट्स ने पर्यावरण जागरूकता की थीम पर साइकिल रैली निकालगर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली का शुभारंभ हवलदार सुनील कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया।

यह रैली नई सड़क, जयेंद्रगंज, चेतकपुरी चौराहा, नाका चंद्रवदनी होते हुए विवेकानंद नीडम पर संपन्न हुई। रैली को संबोधित करते हुए कृषि विभाग के सहायक संचालक अवधेश शर्मा ने पर्यावरण का महत्व बताते हुए कहा कि पौधों का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति में पौधों को पूजा जाता है, पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

एनसीसी के सुनील कुमार ने प्रकृति और मनुष्य के बीच सहज संबंध और प्रकृति के बीच रहकर मिलने वाले सुख का वर्णन किया। संजय त्रिवेदी ने पेड़-पौधों का महत्व बताते हुए अपने परिजनों की स्मृति में पौधे लगाने और अपने परिजन के समान ही उन पौधों की देखभाल करने की बात कही। डॉ. त्रिष्टुप चंसोलिया ने बताया कि पर्यावरण के लिए पौधे लगाना कितना आवश्यक है। रैली को सफल बनाने के लिए सीनियर अंडर ऑफिसर हर्ष शाक्य, सार्जेंट ओमवीर, सौम्य शर्मा, कैडेट इशांत याग्निक, प्रताप धाकड़, संदीप सविता का विशेष सहयोग रहा।

सड़क से निकल रही बारात पर फेंका पानी

ग्वालियर। एक बारात में उस समय बाराती आक्रोशित हो गए जब स्वागत द्वार पर नृत्य करने के दौरान उनके ऊपर पानी फेंक दिया। पानी फेंकने से गुस्साए बारातियों से झगड़ा हो गया। पानी फेंकने वाले पक्ष का कहना है कि पहले घर में पटाखे चलाने पर आग लग चुकी है। पटाखे चल रहे थे मना करने पर भी जब वह कोई नहीं माना तो पानी फेंक दिया था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और पीड़ित पक्ष की शिकायत सुनने के बाद मामले की जांच शुरु करा दी है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित विनय नगर सेक्टर-3 में एक बार बारात पर पानी फेंकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें संगीत की धुन पर बाराती नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे तभी एक मकान की ऊपरी मंजिल से एक व्यक्ति ने पानी फेंक दिया। पानी गिरते ही नृत्य कर रहे बाराती आक्रोशित हो गए विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया गया है कि बारात में युवक पटाखे चला रहे थे आग न लग जाने उनको रोका गया पहले भी मकान में पटाखों से आग लग चुकी है। जब युवक नहीं माने तो पटाखों पर पानी फेंका था। इस संबंध में एएसपी अनु बेनीवाल का कहना है कि जानकारी मिली थी कि बारात के ऊपर पानी फेंका गया है। हालांकि मामले को सुलझा लिया गया है। किसी ने भी कोई शिकायत नहीं की है।

यादों में जिन्दा हैं देवेन्द्र भाई साहब

प्रथम पुण्यतिथि पर विशेष

वह बिरले ही होते हैं, जिनका जाना हर किसी को अखर जाता है और ऐसे ही लोग होते हैं, जिनकी यादें हमेशा सालती रहती हैं। ईश्वर के लोक में जाना हम सभी की नियति है, लेकिन बड़े भाई साहब के नाम से विख्यात श्री देवेन्द्र सिंह तोमर यूं ही असमय चले जाएंगे, इसका भान किसी को न था। गांव की पगडंडी से शहरी चकाचौंध तक के अपने सामाजिक और राजनीतिक सफर में वह कई पड़ावों से गुजरे और अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। मुरैना जिले की अम्बाह तहसील के नावली गांव में ठेठ देहाती परिवेश में पले-बढ़े श्री देवेन्द्र सिंह तोमर कैलाशवासी श्री हाकिम सिंह जी तोमर के घर में जन्म लेने वाले उनके तीन पुत्रों में सबसे ज्येष्ठ पुत्र थे। अपनी सोच, विचारधारा और काबिलियत के दम पर उन्होंने जो मुकाम हासिल किया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह उनके माता-पिता के ही संस्कार थे कि उनके तीनों बेटे कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जो कि मध्य प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री हैं और सबसे छोटे श्री सत्येन्द्र सिंह तोमर ने अपने माता-पिता और अपने गांव और परिवार का सदैव सम्मान रखा। कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर के पिता कैलाशवासी श्री हाकिम सिंह तोमर जिला रोजगार अधिकारी के पद पर रहे। पिता की नौकरी के कारण पूरे परिवार को ग्वालियर आना पड़ा। हालांकि उनकी प्रारंभिक शिक्षा मुरैना जिले के अम्बाह तथा उच्च शिक्षा विदिशा के सम्राट अशोक टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट में हुई।

कहते हैं कि राजनीति की राहें बेहद फिसलन भरी होती हैं और इन रास्तों से बगैर डरे, बगैर गिरे और बेदाग निकलना हर किसी की बस की बात नहीं होती है। लेकिन कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर ने ऐसा कर दिखाया और सत्य के मार्ग पर चलकर दूसरों को भी प्रेरणा दी। कई बार मनुष्य का लक्ष्य कुछ और होता है और मंजिल कुछ और। कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर के साथ भी ऐसा ही हुआ। सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद राजनीति में कदम रखना उनका अपना फैसला था। नगर निगम ग्वालियर में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए उनके कार्यकाल को हमेशा याद रखा जाएगा। राजनीतिक क्षेत्र में काम करते हुए उन्होंने अपने कुछ मूल्य और उसूल स्थापित किए, जिनसे जीवन पर्यंत उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। उनसे हर रोज बड़ी संख्या में लोग मिलते थे, जिसमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती थी, जो अपनी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आते थे। वह आगंतुकों के उसी काम को पूरा करने का आश्वासन देते थे, जो उनके लिए संभव होता था। ऐसा काम जो उनके लिए संभव न था, वह स्पष्ट तौर पर मना कर देते थे। इसके लिए किसी काम की सिफारिश लेकर आने वाले को भले ही बुरा लग जाए। हां जनहित में उनके बताए किसी काम को अगर कोई अधिकारी पूरा नहीं करता, तो वह उसकी 'खबर' लेने से भी नहीं चूकते थे। राजनीति में रहते हुए उन्होंने जात-पात और धर्म को हमेशा अलग रखा।

नेता प्रतिपक्ष रहते हुए जनहित के मुद्दों को उठाकर सत्तापक्ष पर दबाव बनाना और इसके लिए फैसलानुकूल लड़ाई लड़ना और उसे अंजाम तक पहुंचाना, आज भी उस दौर के लोगों और नगर सरकार से जुड़े लोगों को बखूबी याद है। आधी रात के बाद अक्सर वह पत्रकारों की टोली को साथ लेकर नगर निगम के कामकाज का निरीक्षण करने निकल पड़ते थे, ऐसे में नगर निगम प्रशासन और सत्तापक्ष भी चौकन्ना रहता था।

एक जनप्रतिनिधि का यही कर्तव्य होता है, वह जनता के हितों के लिए लड़ाई लड़े। और जनता से जिसका जीवंत रिश्ता बना रहे। कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर इसी मिट्टी के बने थे। श्री देवेन्द्र सिंह तोमर सही मायनों में सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के लिए प्रतिबद्ध थे। आज कैलाशवासी श्री देवेन्द्र सिंह तोमर की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें कोटि-कोटि श्रद्धांजलि।

बाहर के भोजन से खराब होता है स्वास्थ्य : सिंह

ग्वालियर। पार्वती खेल अकादमी में दो दिवसीय बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता का समापन सोमवार को हुआ। जिसमें अंडर 8, 10, 12, 14, 17 और 19 वर्ष के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल अधिकारी आरके सिंह रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को भोजन के संबंध में बाहर के भोजन को त्यागकर घर के भोजन को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बाहर का भोजन हमारे स्वास्थ्य को खराब कर देता है इसलिए इसका उपयोग कम करें। विशिष्ट अतिथि लिटिल एंजिल की प्राचार्य सुप्रिया ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में खेल और पढ़ाई दोनो ही महत्व रखते हैं। इस मौके पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अध्यक्षता डॉ. प्रदीप वाजपेयी ने की। संचालन डॉ. दिनेश सिंह कुशवाह ने किया। इस अवसर पर गोविन्द मल्होत्रा, कोच कीर्ति जादौन, प्रशांत पाण्डेय, हितेश नाइक, अविनाश वर्मा, मोनिका गोयल, पियूष सिकरवार, आर्यन राजा, हिमांशु कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

वंदे मातरम का उद्घोष

यह सुखद ही है कि कृतज्ञ राष्ट्र देश के स्वतंत्रता सेनानियों में ओज का संचरण करने वाले गीत वंदे मातरम के सृजन के डेढ़ सौ साल पूरे होने को एक उत्सव की तरह मना रहा है। स्वतंत्रता के लिये संघर्षरत करोड़ों भारतीयों में इस गीत ने आजादी का जज्बा भरा था। लाखों स्वतंत्रता सेनानी इस गीत से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व अर्पित करने को तत्पर हो जाते थे। इस पावन वेला में देश के विभिन्न भागों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सही मायनों में यह अवसर राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है। इस गीत की सर्वस्वीकार्यता का आलम ये था कि भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की दृष्टि से देखा था। इसी आलोक में वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर लोकसभा में इस पर चर्चा का शुरू होना सुखद ही है। संसद में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि जब इस गीत के सृजन के पचास साल पूरे हुए तो देश परतंत्र था। जब इसके सौ साल पूरे हुए तो देश आपातकाल के दौर से गुजर रहा था, फलतरू उस दौर में इस गीत को जनता व स्वतंत्रता सेनानियों का सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। निस्संदेह, बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना ने बंगाल में क्रांतिकारियों को गहरे तक प्रेरित किया और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। हालांकि, विपक्ष इसे सुर्खियों में लाने के फैसले के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहा है। वे इसके समय को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं। अविभाजित बंगाल की पृष्ठभूमि में जन्मे इस ओज के गीत को बंगाली समाज ने अपनी अस्मिता से जोड़कर देखा। खासकर बंगाल विभाजन के बाद इसे बंगाल की अस्मिता पर फिरंगियों के प्रहार के दौर में एक मरहम के तौर पर देखा। निस्संदेह, देश ऐसे स्मरण उत्सव का हकदार है, मगर वे चुनावी नजरियों से मुक्त हों। विपक्ष की दलील है कि जब पश्चिम बंगाल एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है तो इस गीत के प्रसंगवश राजनीतिक लाभ-हानि के तर्क गढ़े जा रहे हैं। संसद में प्रधानमंत्री के संबोधन में वंदे मातरम को एकता के सूत्रधार के रूप में सराहा गया। लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर भी चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने जब भी कांग्रेस की आजादी से पहले और बाद की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया या फिर ऐतिहासिक विवादों का नये सिरे से जिक्र किया, तो विपक्ष ने उसे निशाने पर लिया। विपक्षी दलील है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करने की कवायद में वैचारिक विभाजन को हवा दी जा रही है। कहा गया कि पश्चिम बंगाल, जहां इस गीत का जन्म हुआ, वहां की सांस्कृतिक पहचान राजनीति से जुड़ी रही है। वंदे मातरम एक भावनात्मक प्रतीक है और इसीलिए एक रणनीतिक प्रतीक भी। दरअसल, विपक्ष की नाराजगी राजग सरकार की उस प्रवृत्ति को लेकर है जिसमें वह सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक अखाड़े में बदल रही है। उन्हें आशंका है कि साझी विरासत पर चिंतन के लिये आयोजित विमर्श का उपयोग चुनावी लाभ अर्जित करने के लिये किए जाने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी जड़ें जमाए हुए है, फिर भी उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। संसद में राष्ट्रीय गीत पर चर्चा का ममता बनर्जी द्वारा समर्थन किया जाना दशार्ता है कि वह इस मुद्दे को छोड़ने का इरादा नहीं रखती हैं। विडंबना ही है कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों में ओज भरने वाले गीत के विमर्श में चिंतन की गंभीरता प्रभावित हुई है। निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल आज बेरोजगारी, पलायन और राजनीतिक हिंसा से जूझ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि हमारा सांस्कृतिक गौरव आवश्यक है, लेकिन यह सुशासन का विकल्प नहीं हो सकता। इस ओज के गीत के 150 साल पूरे होने पर, इसे एकता को मजबूत करने और राष्ट्रवाद को बहुलता से स्वीकार करने के अवसर के रूप में होना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय, इस बहस के ध्रुवीकृत माहौल में बदलने के विवाद के पैदा होने की चिंता है। सही मायनों में देश के नेतृत्व का इतिहास का उपयोग राष्ट्र को एकजुट करने वाला होना चाहिए।

संसद में खतरनाक खेल की शुरूआत

इस बार का शीतकालीन सत्र बेहद छोटा है, जिसमें कामकाज के कुछ घंटे पहले ही हंगामे में निकल चुके हैं। बचे वक्त का अच्छा इस्तेमाल देश के सामने आई बड़ी विपदाओं पर चर्चा कर उनका हल निकालने या विकास के लिए जरूरी मुद्दों पर विमर्श करने में लगाया जा सकता था। एसआईआर के कारण बीएलओज की मौत, इंडिगो संकट के कारण लाखों यात्रियों पर आई मुसीबत, दिल्ली में आतंकी हमला, प्रदूषण, रुपए की गिरती कीमत, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के पेंच, महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, किसान-मजदूर हित, युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति ऐसे ढेरों मुद्दे हैं जिन पर संसद का कीमती वक्त लगना चाहिए था।
लेकिन सोमवार से लेकर मंगलवार तक लोकसभा और फिर राज्यसभा में वंदेमातरम् पर चर्चा तय की गई। देश में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि डेढ़ सौ साल पहले लिखे गीत को लेकर अकारण बहसबाजी की जाए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी यह दुस्साहस कर रहे हैं।

देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के खेल को भाजपा अब एक खतरनाक स्तर पर ले आई है। इसे रोकना या इसका हल निकालना आसान नहीं है, क्योंकि अब ध्रुवीकरण हिंदू या मुसलमान बोलकर नहीं हो रहा है, राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहा है। इस खेल में इतिहास को बदला जा रहा है, तथ्यों पर झूठ चढ़ाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सब संस्थागत तरीके से हो रहा है। सोमवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा करना इसी का प्रमाण है। इस बार का शीतकालीन सत्र बेहद छोटा है, जिसमें कामकाज के कुछ घंटे पहले ही हंगामे में निकल चुके हैं। बचे वक्त का अच्छा इस्तेमाल देश के सामने आई बड़ी विपदाओं पर चर्चा कर उनका हल निकालने या विकास के लिए जरूरी मुद्दों पर विमर्श करने में लगाया जा सकता था। एसआईआर के कारण बीएलओज की मौत, इंडिगो संकट के कारण लाखों यात्रियों पर आई मुसीबत, दिल्ली में आतंकी हमला, प्रदूषण, रुपए की गिरती कीमत, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के पेंच, महंगाई, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, किसान-मजदूर हित, युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति ऐसे ढेरों मुद्दे हैं जिन पर संसद का कीमती वक्त लगना चाहिए था।

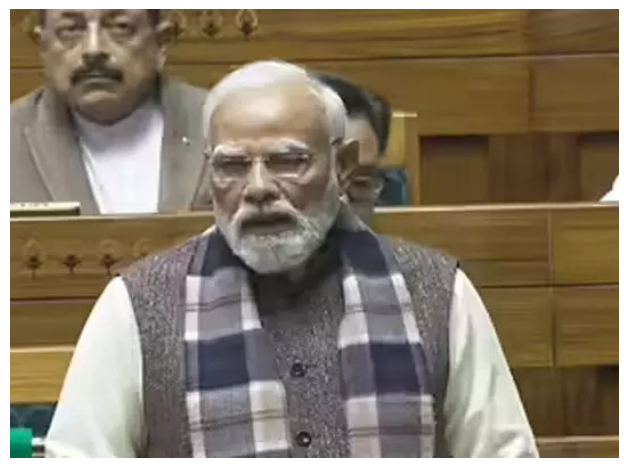

लेकिन सोमवार से लेकर मंगलवार तक लोकसभा और फिर राज्यसभा में वंदेमातरम् पर चर्चा तय की गई। देश में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि डेढ़ सौ साल पहले लिखे गीत को लेकर अकारण बहसबाजी की जाए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी यह दुस्साहस कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हर हाल में देश को उन ताकतों से मुक्त करना है, जिनके कारण संविधान बना हुआ है। यह

संविधान ही है जो देश में तानाशाही कायम नहीं होने देता। लोगों को हिम्मत देता है कि अगर उन्हें सरकार का कोई फैसला पसंद न आए या अपने हित खतरे में पड़ते दिखें तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। इसी संविधान की दी हुई ताकत से किसानों ने एक साल लंबा आंदोलन चलाया, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी को कृषि कानून वापस लेने पड़े। अभी संचार साथी ऐप प्रीइंस्टाल करने का फैसला हटाना पड़ा। वक्फ संशोधन अधिनियम को संसदीय समिति के पास भेजना पड़ा। ऐसे कई उदाहरण है, जिनमें बहुमत के बावजूद मोदी सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। यही बात शायद सरकार को खटक रही है, क्योंकि इस बार तो संसद में विपक्ष पहले से अधिक ताकतवर है। ऊपर से बिहार चुनाव हारने के बावजूद राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा छोड़ नहीं रहे हैं। इसलिए अब नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् का विवाद खड़ा कर कांग्रेस को निशाने पर लेने की एक और कोशिश की है। संसद में श्री मोदी के भाषण से यह समझ आ गया कि चर्चा शब्द का मुखौटा लगाकर भाजपा देश को नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही है, ठीक ऐसा ही काम भाजपा के पुरखों यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा ने किया था। आजादी की लड़ाई के लंबे कालखंड में संघ का योगदान रत्ती भर भी देखने नहीं मिलता है। बल्कि इस बात के सबूत हैं कि वी डी सावरकर ने सजा से बचने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी और उनकी सेवा करने का वचन दिया। भारत छोड़ो आंदोलन के वक्त भी संघ के लोग अंग्रेजों के लिए मुखबिरी कर रहे थे और जनता को अंग्रेजी फौज में भर्ती होने के लिए उकसा रहे थे। लेकिन आज उसी संघ से निकले नरेन्द्र मोदी कांग्रेस पर देश विभाजन का आरोप लगा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे के लिए झुकी। इसलिए कांग्रेस को एक दिन भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया था। इसको लेकर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा था। इसके बाद उन्होंने कहा कि श्जब वंदे मातरम् के 100 साल हुए थे, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। लगभग एक घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री ने 13 बार कांग्रेस और 7 बार नेहरू का नाम लिया। श्री मोदी ने पं.नेहरू को मुस्लिम लीग के आगे झुकता बता दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि 1937 में ब्रिटिश इंडिया में कुल 11 राज्य थे, तब चुनाव हुए तो कांग्रेस ने 7 राज्यों में सरकार बनाई। मुस्लिम लीग ने एक राज्य भी नहीं जीता था। लेकिन तब भी और फिर 1941-42 में भी सावरकर की हिंदू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ तीन राज्यों में गठबंधन सरकार बनाई। जब देश आजाद हुआ तो 15 अगस्त 1947, आधी रात को संविधान सभा में श्रीमती सुचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् का गायन किया। फिर 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत घोषित किया। तब कांग्रेस की ही सरकार थी और नेहरू ही प्रधानमंत्री थे। कांग्रेस के अधिवेशन में तो आज भी वंदे मातरम् गाया जाता है। लेकिन संघ में तिरंगे और वंदेमातरम् दोनों से परहेज किया गया। अगर मोदीजी को इतिहास सुधारना ही था, तो उसकी शुरूआत अपने मातृसंगठन से करनी चाहिए था। बहरहाल, उनका मकसद वंदेमातरम् के बहाने बंगाल चुनाव साधना है, यह सबको समझ आ रहा है। बंगाल चुनाव में बार-बार की कोशिशों के बावजूद भाजपा को पहले सफलता नहीं मिली, तो अब हिंदू-मुस्लिम पर उतर आई है। बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों को शक के दायरे में लाना, हुमायूं कबीर का बाबरी मस्जिद बनवाने का ऐलान और अब वंदे मातरम, सब के तार बंगाल चुनाव से जुड़ते हैं। पिछले चुनावों को याद करिए। पहले श्री मोदी ने सुभाषचंद्र बोस को भुनाने की कोशिश की, उसमें सफलता नहीं मिली, उसके अगले चुनाव में रवीन्द्रनाथ ठाकुर की तरह नरेन्द्र मोदी ने दाढ़ी बढ़ा ली थी, लेकिन रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पहचान दाढ़ी से नहीं उनकी सोच और लेखनी से थी। खैर श्री मोदी फिर नाकाम रहे तो अब बंकिमचंद्र और उनकी अमर रचना वंदे मातरम् पर दांव लगाया है।

नियम बनाकर उनसे पीछे हटने से क्या संदेश जाता है?

2024-25 में उसने 7,258 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था और उसकी मार्केट-कैप 2.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी। एयर डेक्कन के जीआर गोपीनाथ ने एक लेख में कहा है कि डीजीसीए के नियम तय करते हैं, पायलट और केबिन-क्रू अधिकतम कितने घंटे काम, उड़ान व ड्यूटी पर रह सकते हैं। नियम कह सकते हैं कि कोई पायलट एक वर्ष में 900 घंटे की उड़ान भर सकता है, लेकिन 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक नहीं। या दो पायलटों के साथ 8 घंटे से अधिक उड़ान नहीं। जबकि 3-4 पायलटों के साथ एक दिन में 13-16 घंटे तक की ऐसी उड़ानें संभव हैं, जिनमें 5-6 से अधिक स्टॉपओवर और रात में अधिक लैंडिंग शामिल न हों। लेकिन डीजीसीए-इंडिगो विवाद दिखाता है कि कैसे रेगुलेटरी अथॉरिटी व्यापारिक दक्षता बढ़ाने के मूल उद्देश्य को ही बाधित कर देते हैं। हाल में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाले दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने मोबाइल फोन निमार्ता कंपनियों के लिए संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने का निर्देश जारी किया था। इसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी रोकना था, लेकिन एक्टिविस्टों का कहना था कि इससे डेटा चोरी बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इंडिगो मामले की तरह सरकार को इसमें भी नियम में संशोधन करना पड़ा और संचार साथी एप की प्री-इंस्टॉलेशन को स्वैच्छिक कर दिया गया। अपने फैसलों से इस तरह लगातार पीछे हटने से संकेत मिलता है कि नियामक संस्थाएं नौकरशाही के नियंत्रण में फंस चुकी हैं।

मिन्हाज मर्चेंट

इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश के हवाई अड्डों पर जो अराजकता पैदा हुई है, उसने मुख्यतया दो सवाल खड़े किए हैं। पहला, क्या डीजीसीए ने पायलटों और चालक दल पर नए नियम लागू करने में जरूरत से ज्यादा सख्ती दिखाई थी? दूसरा, क्या इन नियमों के पालन में लापरवाही के लिए इंडिगो जिम्मेदार है? डीजीसीए को अपने नए दिशानिर्देश अस्थायी रूप से वापस लेने पड़े हैं। उन दिशानिर्देशों के अनुरूप पायलटों और चालक दल के रोस्टर की तैयारी के लिए इंडिगो के पास 20 महीने का समय था। पायलट-प्रति-विमान अनुपात के मामले में इंडिगो- एअर इंडिया और अन्य भारतीय एयरलाइनों की तुलना में सबसे नीचे है। वास्तव में पायलटों की कम संख्या इंडिगो की लागत घटाने की रणनीति का हिस्सा है। इसी ने उसे दुनिया की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली एयरलाइनों में शामिल किया है। 2024-25 में उसने 7,258 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था और उसकी मार्केट-कैप 2.08 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई थी। एयर डेक्कन के जीआर गोपीनाथ ने एक लेख में कहा है कि डीजीसीए के नियम तय करते हैं, पायलट और केबिन-क्रू अधिकतम कितने घंटे काम, उड़ान व ड्यूटी पर रह सकते हैं। नियम कह सकते हैं कि कोई पायलट एक वर्ष में 900 घंटे की उड़ान भर सकता है, लेकिन 28 दिनों में 100 घंटे से अधिक नहीं। या दो पायलटों के साथ 8 घंटे से अधिक उड़ान नहीं। जबकि 3-4 पायलटों के साथ एक दिन में 13-16 घंटे तक की ऐसी उड़ानें संभव हैं, जिनमें 5-6 से अधिक स्टॉपओवर और रात में अधिक लैंडिंग शामिल न हों। लेकिन डीजीसीए-इंडिगो विवाद दिखाता है कि कैसे रेगुलेटरी अथॉरिटी व्यापारिक दक्षता बढ़ाने के मूल उद्देश्य को ही बाधित कर देते हैं। हाल में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व वाले दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने मोबाइल फोन निमार्ता कंपनियों के लिए संचार साथी एप को अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल करने का निर्देश जारी किया था। इसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी रोकना था, लेकिन एक्टिविस्टों का कहना था कि इससे डेटा चोरी बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इंडिगो मामले की तरह सरकार को इसमें भी नियम में संशोधन करना पड़ा और संचार साथी एप की प्री-इंस्टॉलेशन को स्वैच्छिक कर दिया गया। अपने फैसलों से इस तरह लगातार पीछे हटने से संकेत मिलता है कि नियामक संस्थाएं नौकरशाही के नियंत्रण में फंस चुकी हैं। प्रक्रियाओं को सरल बनाने के बजाय नए नियम अकसर उनके अनुपालन को कठिन बना देते हैं, जिससे अधिकारियों को अधिक शक्तियां मिल जाती हैं। यह ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के लक्ष्य के विपरीत है। कई नए नियम तो बिना संभावित परिणामों का पर्याप्त अध्ययन किए लागू किए प्रतीत होते हैं। कुछ सप्ताह पहले ही सरकार को क्वॉलिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ) वापस लेने पड़े थे, जिनसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यावहारिक रूप से दूभर हो गया था। जरूरत से ज्यादा नियम लादने का मूल कारण यह है कि एआई और ऑटोमेशन के दौर में अधिकारी अपने-अपने डोमेन पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं। तकनीकी बदलावों ने वे रास्ते बंद कर दिए हैं, जिनके माध्यम से अधिकारी अपने विवेकाधिकार का उपयोग करके लाभ उठा सकते थे। जैसे-जैसे वे मौके समाप्त हो रहे हैं, नौकरशाही नए नियमों के जरिए फिर से कुछ अधिकार प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। अनुपालन को कठिन बनाकर इन अवसरों की खिड़की को थोड़ा-सा खुला रखा जाता है।

मसलन, आधार कार्ड को लेकर हाल ही में किए गए बदलाव में केयर ऑफ विकल्प- जिसमें पिता का नाम दर्ज होता था- हटा दिया गया। इससे आधार केंद्रों पर भौतिक सत्यापन के लिए लंबी कतारें लग गईं और आरटीओ में भी लोगों को कठिनाई हुई, क्योंकि सभी विवरणों का मेल आवश्यक था। आमजन के काम को सरल बनाने की जगह ऐसे रेगुलेटरी बदलाव उसे और जटिल कर देते हैं। इंडिगो-डीजीसीए विवाद ने इस एयरलाइन की साख के साथ-साथ डीजीसीए की निगरानी क्षमता पर भी आघात किया है। नागरिक उड्डयन नियामक पहले ही एयर इंडिया बोइंग दुर्घटना पर अपनी जल्दबाजी में तैयार रिपोर्ट को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। उस रिपोर्ट में अमेरिकी विमान निमार्ता को लगभग दोषमुक्त दिखाया गया था और दोष पायलट पर मढ़ दिया गया था। आज डीजीसीए में स्टाफ की भारी कमी है और कार्यभार अत्यधिक है।

निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम रखना बहुत जरूरी है

यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत-शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे।

पवन के. वर्मा

किसी सच्चे लोकतंत्र में एक स्वतंत्र, निडर और गैर-पक्षपाती लोकपाल के बिना निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत-शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर

राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे। नेताओं को उनका संदेश था कि चुनाव रेवड़ियां बांटने और धनबल-बाहुबल की नुमाइश का तमाशा नहीं है। लेकिन कोई अकेला व्यक्ति संस्थागत ईमानदारी बनाए रखने के लिए काफी नहीं हो सकता। क्योंकि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि आयुक्तों के चयन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन 2023 में ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह को दरकिनार कर एक कानून के जरिए सीजेआई के स्थान पर मंत्रिमंडल के एक और सदस्य को समिति में शामिल कर दिया। इससे निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में सत्ताधारी दल को भारी फायदा मिल गया। दूसरे, इसी कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शेष दो आयुक्तों को हटाने का अधिकार दे दिया गया, जिससे आयुक्तों के बीच समानता का दर्जा समाप्त हो गया। ऐसे में आयुक्तों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, यहां तक कि सरकार के रुख से भी सहमत होने का दबाव बढ़ गया। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा के साथ जो हुआ, सबके सामने है। उन्होंने सत्ताधारी दल से असहमति जताने की हिम्मत दिखाई थी। तीसरे, शेषन के बाद आदर्श आचार संहिता कभी इतनी सख्ती से लागू नहीं हो पाई। ताजा उदाहरण लें। यों निर्वाचन आयोग पहले से जारी सरकारी योजनाओं तक में नगद सहायता के हस्तांतरण पर चुनाव से महीनों पहले रोक लगा देता है, लेकिन बिहार में आचार संहिता से एक घंटे पहले प्रति विधानसभा क्षेत्र 60 से 62 हजार महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए का वितरण रोकने के लिए उसने कुछ नहीं किया। आचार संहिता लागू होने के बाद भी नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाने पर रोक नहीं लगाई। वोटरों को ले जाने के लिए मुफ्त ट्रेनों के संचालन पर आंखें मूंद लीं। जो आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू हो, सत्ताधारी दल पर नहीं, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाता है।

मनोरंजन

ट्रॉफी चोर नकवी की लंदन में हुई घनघोर बेइज्जती, पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशिया क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी लगातार अपनी ओछी हरकतों से सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन इस बार उन्हें विदेश में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और देश के गृहमंत्री मोहसिन नकवी की लंदन में घनघोर बेइज्जती हुई है। ब्रिटिश पुलिस ने ट्रॉफी चोर नकवी की गाड़ी को रोक कर तलाशी ली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि दुनिया में पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साख कैसी है। हर दिशा से चेक की गाड़ी बताया जा रहा है कि नकवी शहजाद अकबर और आदिल राजा के प्रत्यर्पण पर बातचीत के लिए ब्रिटेन में थे। लंदन पुलिस ने हालांकि, नकवी की गाड़ी की तलाशी के बारे में कुछ भी टिप्पणी नहीं की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह ब्रिटिश पुलिस ने नकवी की गाड़ी को रोक कर तलाशी ली।

क्या शुरू होने वाला है बड़ा इंटरनेशनल कोलैब, जैकलिन और टायला ने की मुलाकात

ग्लोबल म्यूजिक सेंसेशन टायला ने अपने इंडिया ट्रिप में खूब सुर्खियाँ बटोरीं, जहाँ उनकी मुलाकात बॉलीवुड स्टार जैकलिन फर्नांडीज से हुई। यह मुलाकात उनके दौरे का सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला पल बन गया है। टायला, जो अपनी अनोखी आवाज से इंटरनेशनल चार्ट्स पर छाई हुई हैं, और जैकलिन, जो लगातार ग्लोबली चमक दिखा रही हैं, दोनों को एक साथ देखकर फैंस और मीडिया पोर्टल्स के बीच खूब हलचल मच गई। टायला के इंडिया टूर की शुरूआत ही एक स्पेशल मोमेंट के साथ हुई, क्योंकि उन्होंने सबसे पहले बॉलीवुड से जिस चेहरे से मुलाकात की, वह थीं जैकलिन फर्नांडीज। एक ग्लोबल पॉप आइकॉन और एक इंडियन सुपरस्टार का यह साथ आना सोशल मीडिया पर मिनटों में ट्रेंड बनने लगा। जैकलिन फर्नांडीज ने जब टायला के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, तो यह मुलाकात और भी ज्यादा चर्चा में आ गई। दोनों के बीच की दोस्ती और स्टाइलिश अंदाज तस्वीरों में साफ झलक रहा था, और यह पोस्ट देखते ही फैंस एक्साइटेड हो गए। सबसे ज्यादा सुर्खियाँ बटोरने वाला हिस्सा था जैकलिन का कैप्शन, अ लिटरल गॉडेसह्व। बस फिर क्या था३ फैंस दीवाने हो गए और कयासों का दौर शुरू हो गया कि क्या दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं? टायला की ग्लोबल फैन फॉलोइंग और जैकलिन का इंटरनेशनल ग्लैमर इन दोनों का साथ आते ही सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे कि कहीं यह मुलाकात किसी आने वाले म्यूजिक वीडियो या कोलैबोरेशन की ओर इशारा तो नहीं? हालांकि अभी किसी की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन फैन्स की उम्मीदें और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही हैं। टायला जैसे-जैसे भारत की रंगीन संस्कृति और क्रिएटिव दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हैं, जैकलिन फर्नांडीज के साथ उनकी मुलाकात उनकी इस ट्रिप का सबसे बड़ा हाइलाइट बन चुकी है। इंटरनेशनल म्यूजिक कल्चर और बॉलीवुड स्टार पावर का यह ताजा संगम देखते ही बन रहा है, जिसे दोनों इंडस्ट्री के फैंस खुलकर सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये मुलाकात आगे चलकर किसी क्रॉसडकॉन्टिनेंटल कोलैबोरेशन का रूप लेती है या फिर टायला की इंडिया विजिट का सिर्फ एक यादगार, आइकॉनिक पल बनकर रहती है, यह तो समय बताएगा। लेकिन इतना तो तय है कि यह पल पहले ही हेडलाइन, वर्दी कल्चरल क्रॉसओवर की लिस्ट में शामिल हो चुका है।

90 साल के प्रेम चोपड़ा की तबियत अब कैसी है? जानलेवा बीमारी से जूझ रहे एक्टर

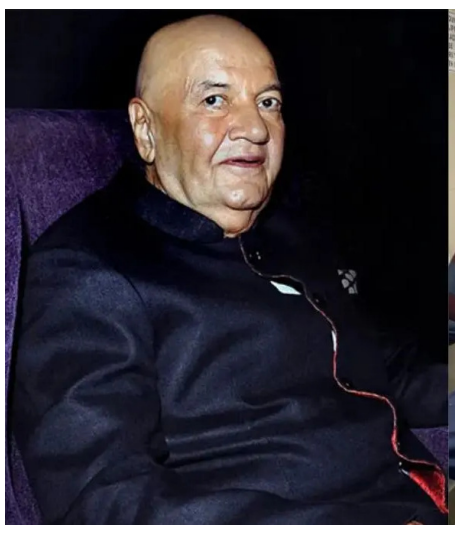

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता प्रेम चोपड़ा इन दिनों अपनी सेहत को लेकर चर्चा में हैं। 8 नवंबर को उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने का कारण उनकी छाती में जकड़न और संक्रमण था। 7 दिनों के इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। 90 साल की उम्र में भी एक्टिंग कर रहे प्रेम चोपड़ा की यह हालत उनके फैंस के लिए चिंता का कारण बनी थी। डॉक्टर्स ने बताया कि प्रेम चोपड़ा को गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस की समस्या थी। यह एक ऐसी हार्ट कंडीशन है जिसमें हार्ट का एओर्टिक वाल्व पतला हो जाता है और ब्लड का फ्लो शरीर में बाधित हो जाता है। इसके लक्षणों में सांस फूलना, सीने में दर्द, कमजोरी और कभी-कभी बेहोशी शामिल हैं। इस गंभीर बीमारी के कारण उन्हें तुरंत इलाज की आवश्यकता थी। प्रेम चोपड़ा का इलाज टीएवीआई प्रक्रिया से किया गया। यह एक आधुनिक चिकित्सा तकनीक है जिसमें बिना ओपन हार्ट सर्जरी के हार्ट का एओर्टिक वाल्व बदल दिया जाता है। शरमन जोशी ने बताया कि यह प्रोसिजर सफलतापूर्वक हुआ और उनके ससुर अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस प्रक्रिया के दौरान हार्ट में किसी बड़े ऑपरेशन की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए 90 साल के वरिष्ठ अभिनेता के लिए यह सुरक्षित और प्रभावी तरीका माना गया। प्रेम चोपड़ा के दामाद और अभिनेता शरमन जोशी ने इंस्टाग्राम पर लंबा पोस्ट साझा कर जानकारी दी। शरमन ने लिखा कि परिवार की ओर से हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. नितिन गोखले और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव का तहे दिल से आभार। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की मेहनत और सही इलाज के कारण प्रेम चोपड़ा अब बेहतर महसूस कर रहे हैं और घर लौट चुके हैं। प्रेम चोपड़ा का बॉलीवुड करियर लगभग छह दशकों पुराना है। उन्होंने 1962 में फिल्म विद्या से एक्टिंग की शुरूआत की थी। अब तक उन्होंने 380 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। दिग्गज अभिनेता को ज्यादातर फिल्मों में विलेन का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें साल 2024 में टीवी सीरीज शोटाइम और फिल्म एनिमल में देखा गया था। प्रेम चोपड़ा की सेहत के अपडेट से फैंस और बॉलीवुड इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिली है। 90 साल की उम्र में भी उन्होंने अस्पताल से ठीक होकर घर वापसी की है। उनके बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित लौटने की खबर ने उनके फैंस को खुश कर दिया है।

मनीष पॉल ने दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को समर्पित किया अपना अवार्ड, कहा-मेरी तरफ से ये उनके लिए एक छोटा-सा ट्रिब्यूट है

जाने माने एक्टर और एंकर मनीष पॉल को हाल ही में बॉलीवुड हंगामा इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स 2025 में मोस्ट आइकॉनिक सपोर्टिंग एक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर मनीष दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को याद करते नजर आए और उन्होंने यह अवॉर्ड दिवंगत एक्टर को समर्पित कर दिया। मनीष पॉल ने लगभग 20 साल पुरानी एक निजी याद शेयर करते हुए कहा, 20 साल पहले, मेरे मामा बहुत डरे हुए थे कि ये मुंबई जा रहा है, किसी को नहीं जानता। लेकिन मां का विश्वास अडिग था। उन्होंने कहा था, कोई नहीं, घबराना मत,, वहाँ जाकर कोई भी दिक्कत हो तो धर्मेंद्र जी के पास चले जाना। खाने की कोई दिक्कत हो तो धर्मेंद्र जी के यहाँ चले जाना ह्यमनीष ने बताया कि किस तरह धर्मेंद्र ने उन्हें मुस्कुराकर आशीर्वाद दिया था कि जहाँ का पानी पीता है, वहां तू राज करेगा और इस तरह उनका वह आशीर्वाद मनीष के लिए उम्मीद बन गई। एक्टर ने कहा, यह अवॉर्ड उनके लिए मेरी तरफ से एक छोटा-सा ट्रिब्यूट है। मैं उन्हें हर दिन याद करता हूँ और करता रहूंगा, लेकिन मुस्कुराकर। मुझे यकीन है फिल्म इंडस्ट्री भी हमेशा धर्मेंद्र जी की विरासत का जश्न मनाती रहेगी। बता दें, दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया था। उनके निधन के बाद पूरे बॉलीवुड में शोक और स्मृतियों की लहर दौड़ पड़ी थी।

ही-मैनह्व के नाम से फेमस धर्मेंद्र छह

खुशहाल शादी के लिए शाहरुख खान ने दी ये सलाह, बोले- मैं आपको शादी बगल में बैठी काजोल का था ऐसा रिएक्शन

किंग ऑफ रोमांस कहे जाने वाले शाहरुख खान से जब खुशहाल शादी के लिए सलाह मांगी गई, तो जानिए अभिनेता ने क्या जवाब दिया। एक्टर का जवाब हो गया वायरल हाल ही में शाहरुख खान और काजोल दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के 30 साल पूरे होने पर लंदन पहुंचे थे। वहां के लीसेस्टर स्क्वायर में इस मौके पर राज और सिमरन का एक ब्रॉन्ज स्टैच्यू लगाया गया, जिसका दोनों सितारों ने अनावरण किया। इस दौरान एक बातचीत में जब शाहरुख से खुशहाल शादी को लेकर सलाह मांगी गई, तो किंग ऑफ रोमांस ने कुछ ऐसा जवाब दिया, जो अब वायरल है। जानिए शाहरुख ने सफल और खुशहाल शादी के लिए दी क्या सलाह.. शादी से पहले मैं आपको सलाह दे सकता हूं बीबीसी से बातचीत के दौरान शाहरुख खान से सफल और लंबी शादी को लेकर सवाल किया गया। शाहरुख से पूछा गया कि किंग ऑफ रोमांस होने के नाते आप लंबी और खुशहाल शादी के लिए क्या सलाह देंगे? इस पर तुरंत ही साथ में बैठी काजोल ने कहा, लेकिन इनकी सभी फिल्में तो शादी से पहले की कहानी पर हैं न। वहीं शाहरुख ने बड़े ही फनी अंदाज में जवाब देते हुए कहा, 'यह तो आपके पति पर निर्भर करता है। शादी से पहले तक मैं आपको सलाह दे सकता था। लेकिन शादी के बाद के लिए मैं कोई सलाह नहीं दे सकता। शादी के बाद तो आप खुद ही संभालिए। माफ कीजिए, लेकिन मेरे पास ऐसी कोई सलाह नहीं, जो मैं आपको दे सकता हूं। लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में डीडीएलजे के 30 साल पूरे होने पर बना स्टैच्यू हाल ही में आईकॉनिक फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के 30 साल पूरे होने पर लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज वाला एक स्टैच्यू रिवील किया गया। इस स्टैच्यू का अनावरण खुद शाहरुख और काजोल ने किया था। इस दौरान दोनों सितारों ने वहां कैमरे के सामने कई पोज भी दिए। साथ ही फिल्म से जुड़े कुछ किस्से भी साझा किए। किंग में नजर आएंगे शाहरुख वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान सिद्धार्थ आनंद की फिल्म किंग में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना भी दिखाई देंगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी के बाद वी. शांताराम से सामने आया तमन्ना भाटिया का लुक, निभाएंगी ये दमदार किरदार

सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर वी. शांताराम से अब तमन्ना भाटिया का लुक सामने आया है। इस लुक में तमन्ना काफी खूबसूरत लग रही हैं। जानिए फिल्म में किस किरदार में दिखाई देंगी तमन्ना

दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक फिल्म से अब सिद्धांत चतुर्वेदी के बाद फिल्म की अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की भी पहली झलक सामने आई है। मेकर्स ने तमन्ना भाटिया का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया है। फिल्म में तमन्ना जयश्री का किरदार निभा रही हैं। पोस्टर में तमन्ना का विंटेज लुक देखने को मिल रहा है। जयश्री का किरदार निभाएंगी तमन्ना मेकर्स ने तमन्ना का पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, जयश्री- एक दौर की स्टार। लीगेसी के पीछे की ताकत। इतिहास में वापसी का एक अध्याय। इस पोस्टर में तमन्ना बेबी पिंक कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। पोस्टर में तमन्ना पुरानी अभिनेत्रियों वाला एक पोज दे रही हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में हरा पर्दा और घास नजर आ रही है, जो संभवतः किसी फिल्म का सेट मालूम पड़ता है। सिद्धांत चतुर्वेदी बनेंगे वी. शांताराम इससे पहले फिल्म से सिद्धांत चतुर्वेदी का लुक सामने आया था। सिद्धांत फिल्म में वी. शांताराम का किरदार निभा रहे हैं। उनके पोस्टर को जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा था, भारतीय सिनेमा को नया रूप देने वाला रिबेल अब वहीं लौट आया है, जहां उसे होना चाहिए था - बड़े पर्दे पर।' पोस्टर में सिद्धांत धोती-कुर्ती और कोट पहने सिर पर टोपी लगाए नजर आ रहे हैं। वो बड़े से कैमरे के साथ खड़े हुए इंटेंस लुक दे रहे हैं। वी. शांताराम का निर्देशन अभिजीत शिरीष देशपांडे कर रहे हैं। अपनी फिल्मों में अलग तरह का सिनेमा दिखाते थे शांताराम वी. शांताराम की गिनती भारतीय सिनेमा के दिग्गज निमार्ता-निर्देशकों में होती है। उन्होंने मूक सिनेमा से लेकर रंगीन फिल्मों के दौर तक, तरह-तरह की फिल्में बनाईं। साथ ही उन्होंने हमेशा एक अलग तरह का सिनेमा दिखाया है। उनकी फिल्मों में एंटरटेनमेंट के साथ समाज का सच और बदलाव देखने को मिलता था।

गायनोलॉजिस्ट के पास एग फ्रीज करवाने पहुंची 33 की रिया चक्रवर्ती, कहा-बॉडी क्लॉक बता रही कि बच्चे कर लेने चाहिए

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक वक्त अपनी लाइफ में बहुत बुरा वक्त झेला है, लेकिन अब वह सब कुछ भूलकर आगे बढ़ रही हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर फोकस कर रही हैं। हाल ही में अपने पॉडकास्ट में रिया ने पर्सनल लाइफ को लेकर बात की और अपने फ्यूचर को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वो एग फ्रीज करवा रही हैं और इसके लिए उन्होंने गायनोलॉजिस्ट से भी कंसल्ट कर लिया है। हाल ही में रिया के पॉडकास्ट में हुमा कुरैशी पहुंची, जहां उन्होंने बातचीत में कहा-मैं 33 साल की हूं और हाल ही में एग फ्रीज करवाने के लिए गायनोलॉजिस्ट के पास गई थी। मैं ये करवाने की सोच रही हूं। ये कितनी अजीब चीज है। आपकी बॉडी क्लॉक बता रही होती है कि आपको बच्चे कर लेने चाहिए लेकिन दिमाग कहता है कि आपके पास पहले से एक बच्चा है- आपका ब्रांड, आपका बिजनेस और उस बच्चे को आपको पालना है। बता दें, इससे पहले रिया चक्रवर्ती ने कहा था कि वो शादी की सही उम्र में विश्वास नहीं करती हैं और उन्हें जिंदगी में देरी से शादी करने में कोई एतराज नहीं है। उन्होंने महिलाओं पर शादी और बच्चे करने को लेकर किए जा रहे प्रेशर को लेकर भी सवाल उठाए थे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू पर शतक लगाने वाले खिलाड़ी

हैदराबाद। अमित पासी की यह डेब्यू पारी सिर्फ एक पारी नहीं बल्कि एक स्टेटमेंट है कि भारतीय घरेलू क्रिकेट में नया स्टार तैयार हो रहा है। अब देखना होगा कि आईपीएल नीलामी से पहले वह कुछ और ऐसी बड़ी पारी खेल पाते हैं या नहीं। इससे नीलामी में फ्रेंचाइजी उन पर बड़ा दांव खेल सकती हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (रटअळ ळ20) 2025 में 26 साल के विकेटकीपर-बैटर अमित पासी ने अपने पहले ही मैच में इतिहास रच दिया। हैदराबाद के जिमखाना मैदान पर खेले गए मुकाबले में अमित पासी ने सर्विसेज के खिलाफ सिर्फ 55 गेंदों में 114 रन ठोक दिए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत बड़ौदा टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 220 रन बनाए और मैच 13 रनों से जीत लिया। एक्सक्लूसिव क्लब में शामिल हुए अमित पासी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बेहद कम हैं। अब अमित पासी भी उन चुनिंदा बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। अमित से पहले सिर्फ दो ही बल्लेबाज हैं, जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू पर शतक लगाया था। अमित से पहले हैदराबाद से खेलने वाले अक्षय रेड्डी ने 2010 में ऐसा किया था।

बेलारूस के गुब्बारों से सुरक्षा जोखिम, हवाई क्षेत्र उल्लंघन पर कड़ा कदम

विल्नियस (लिथुआनिया)। लिथुआनिया ने बेलारूस से आने वाले मौसम संबंधी गुब्बारों द्वारा बार-बार एयरस्पेस उल्लंघन के बाद राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। नाटो सदस्य देश ने सुरक्षा बढ़ाने के लिए सेना को सीमा पर तैनात किया। रूस समर्थित बेलारूस से लगातार आ रहे मौसम संबंधी गुब्बारों द्वारा एयरस्पेस उल्लंघन के बाद लिथुआनिया की सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। पिछले कुछ हफ्तों में ये गुब्बारे देश के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को कई बार बंद करवाने की वजह बने, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। 'यह बेलारूस की हाइब्रिड अटैक रणनीति' लिथुआनिया की प्रधानमंत्री इंगा रुगिनिएने ने कहा कि गुब्बारों के जरिए हो रहा यह व्यवधान एक हाइब्रिड अटैक है, जिसका उद्देश्य देश में अस्थिरता फैलाना है। प्रधानमंत्री रुगिनिएने ने कहा हमें सबसे कड़े कदम उठाने होंगे और उन क्षेत्रों की रक्षा करनी होगी जहां यह हमला सबसे ज्यादा असर डाल रहा है। कैबिनेट की इमरजेंसी बैठक के

बाद यह घोषणा की गई। लिथुआनिया नाटो का सदस्य है और रूस के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का मुखर समर्थक भी रहा है। सीमा पर सेना की तैनाती, गुब्बारों पर निगरानी सख्त लिथुआनिया के गृह मंत्री व्लादिस्लाव कोंड्रोटोविच ने बताया कि राष्ट्रीय आपातकाल लागू होने के बाद सीमा सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। अब सीमा क्षेत्रों में सेना और पुलिस संयुक्त गश्त करेंगी, ताकि एयरस्पेस का उल्लंघन करने वाले गुब्बारों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर सेना स्वतंत्र रूप से भी ऑपरेशन चला सकेगी, जिससे इन गुब्बारों की पहचान, निगरानी और रोकथाम तेजी से हो पाएगी। मंत्री ने आश्वासन दिया कि इन कदमों का आम नागरिकों के दैनिक जीवन पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा और सभी उपाय केवल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हैं। जानबूझकर अस्थिरता की कोशिश अधिकारियों के अनुसार, ये गुब्बारे अक्सर सिगरेट की तस्करी में उपयोग होते हैं, लेकिन इस बार उनकी संख्या और उड़ान दिशा देखकर यह स्पष्ट है कि यह बेलारूस द्वारा योजनाबद्ध व्यवधान है। लिथुआनिया ने गुब्बारों पर आपराधिक जांच शुरू कर दी है और खुफिया एजेंसियां इनकी उत्पत्ति और बेलारूस सरकार से संभावित संबंधों की जांच कर रही हैं। कोंड्रोटोविच ने कहा बेलारूस इन गुब्बारों को भेजने वालों को रोकने की कोई कोशिश नहीं कर रहा। यह हाइब्रिड अटैक का प्रमाण है। दो सीमा चौकियां पहले ही बंद की जा चुकी हैं गुब्बारों के एयरस्पेस में प्रवेश करने के बाद लिथुआनिया ने अक्तूबर में दो बॉर्डर क्रॉसिंग बंद कर दी थीं। इसके जवाब में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लिथुआनिया के कदम को पागलपन करार दिया और उल्टा आरोप लगाया कि लिथुआनिया खुद तस्करी रोकने में विफल है। ठअळड और यूरोपीय देशों में चिंता यूरोप पहले ही रूसी ड्रोन घुसपैठों से चिंतित है। नाटो और एव के देशों ने लिथुआनिया को समर्थन तो दिया है, लेकिन इन उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारों को न्यूट्रलाइज करने का कोई समाधान अभी मौजूद नहीं। कोंड्रोटोविच ने स्वीकार किया 10 किलोमीटर ऊंचाई पर उड़ने वाले गुब्बारों को ड्रोन या किसी अन्य हथियार से गिराने की तकनीक किसी देश के पास नहीं है। हवाई अड्डा 60 घंटे तक बंद, 51,000 यात्री प्रभावित सरकार के अनुसार, अक्तूबर से अब तक विल्नियस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 60 घंटे से अधिक समय तक बंद रहा, जिसकी वजह से 350 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं और 51,000 से अधिक यात्रियों की यात्रा बाधित हुई। लिथुआनिया के सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति बताती है कि बेलारूस किसी भी समय लिथुआनिया की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा सकता है।

इंडोनेशिया के जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक सात मंजिला ऑफिस इमारत में मंगलवार को आग लग गई, जिससे कई लोगों की मौत हो गई। तेज लपटों और घने धुएं ने इमारत को पूरी तरह घेर लिया, जिससे मध्य जकार्ता के एक मोहल्ले के आसपास दहशत फैल गई। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के केमायोरन इलाके में मंगलवार दोपहर एक सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया

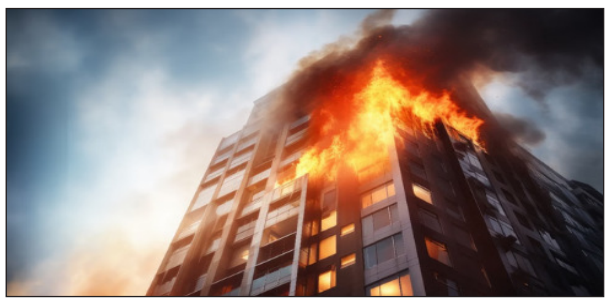

है और इमारत के अंदर राहत व खोजबीन अभियान जारी है। इस जानकारी की पुष्टि सेंट्रल जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो ने की। आग पहली मंजिल से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई कोंड्रो के अनुसार आग दोपहर के समय इमारत की पहली मंजिल पर लगी और धीरे-धीरे ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। जिस समय आग लगी, कई कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कुछ ऑफिस से बाहर जा चुके थे। आग के कारणों की जांच जारी जकार्ता डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी (इढइऊ) के प्रमुख इस्नावा अदजी ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है और नुकसान के आकलन पर काम हो रहा है। उनके मुताबिक आग कैसे लगी, यह अब भी जांच का विषय है। अधिकारियों ने आग बुझाने के लिए 28 फायर ट्रक और 101 कर्मियों को तैनात किया था। मृतकों और घायलों को पहचान और इलाज के लिए पूर्वी जकार्ता के क्रामत जाति पुलिस हॉस्पिटल ले जाया गया। यह इमारत टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का मुख्यालय है, जो खनन, कृषि समेत कई क्षेत्रों में ग्राहकों को हवाई सर्वे ड्रोन सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य पूरा होने तक इमारत को पूरी तरह सील रखा जाएगा।

2026 में कैसे रहेंगे भारत-अमेरिका संबंध? क्वाड पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान से मिले संकेत

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका क्वाड के प्रति प्रतिबद्ध है। अमेरिका की रक्षा नीति में भी भारत के साथ संबंधों को मजबूत

करने की बात लिखी गई है और भारत को औपचारिक सहयोगी देश की श्रेणी में रखा गया है। भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाए जाने के बाद दोनों देशों के संबंध थोड़े कमजोर हुए हैं। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संकेत दिए हैं कि भारत और अमेरिका के संबंधों में आने वालों समय में और मजबूती आएगी। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका, क्वाड के साथ अपने संबंधों को और बेहतर करेगा। क्वाड में अमेरिका के साथ भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- क्वाड के लिए प्रतिबद्ध सोमवार को एक बयान में मार्को रुबियो ने कहा, 'हम क्वाड के साथ अपने संबंधों को लेकर समर्पित और प्रतिबद्ध हैं।' मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया के साथ मंत्री स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए ये बात कही। इस दौरान अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ, ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग भी मौजूद रहे। रुबियो ने कहा, 'हम इस साल क्वाड की कम से कम तीन बैठकें करेंगे और आने वाले समय में क्वाड और मजबूत होगा।' गौरतलब है कि अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भी भारत के साथ खासकर क्वाड के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। भारत के साथ संबंधों को बेहतर करने की वजह हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाना और चीन की चुनौती से निपटना है। अमेरिकी रक्षा विधेयक में भारत को बताया गया सहयोगी देश विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने के लिए हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें क्वाड के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग बढ़ाना शामिल है। विधेयक में भारत को औपचारिक रूप से सहयोगी या भागीदार देश की श्रेणी में शामिल किया गया है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं तथा इसे 2017 में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रवैये का सामना करने के लिए स्थापित किया गया था।

यूरोप बहुत ही गलत दिशा में जा रहा है एक्स पर जुमार्ना लगाए जाने पर यूरोपीय संघ पर भड़के ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ताजा बयान में यूरोप की आलोचना की है। ट्रंप ने कहा कि यूरोप एक गलत दिशा में जा रहा है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी सुरक्षा रिपोर्ट में भी यूरोप को लेकर चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूरोपीय संघ की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यूरोप

बहुत ही गलत दिशा में जा रहा है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका की नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी यूरोपीय संघ की आलोचना की गई है और यूरोप में बड़े पैमाने पर अप्रवासियों के आने पर चिंता जाहिर की गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ द्वारा एक्स पर लगाए गए 14 करोड़ डॉलर के जुमार्ने के लिए नाराजगी जताई। ट्रंप ने यूरोप को चेताया ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'देखिए, यूरोप को बहुत सावधान रहना होगा। (वे) बहुत सी चीजें कर रहे हैं। हम यूरोप को यूरोप ही रखना चाहते हैं।' ट्रंप ने आगे कहा, 'यूरोप कुछ बुरी दिशाओं में जा रहा है। यह बहुत बुरा है, यूरोप के लोगों के लिए बहुत बुरा है। हम नहीं चाहते कि यूरोप इतना बदले।' ट्रंप का यह बयान अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की रिपोर्ट के बाद सामने आया है, जिसमें पलायन की वजह से सभ्यता खत्म होने की चेतावनी दी गई है। एलन मस्क भी यूरोप की कर चुके हैं आलोचना ट्रंप प्रशासन की इस रिपोर्ट में यूरोप के पारंपरिक सहयोगी देशों के प्रति सख्त रुख का संकेत दिया गया है। यूक्रेन के मुद्दे पर भी अमेरिका और यूरोपीय देशों में मतभेद हैं। यूरोपीय देशों को डर है कि अमेरिका, यूक्रेन पर अपने इलाके रूस के देने का दबाव बना रहा है। यही वजह है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति यूरोपीय संघ के नेताओं से अलग से चर्चा कर रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलन मस्क भी यूरोप की कई बार आलोचना कर चुके हैं और मस्क ने भी यूरोप में बड़े पैमाने पर अप्रवासियों की आमद पर चिंता जाहिर की है।

अमेरिका से दोस्ती का फायदा! पाकिस्तान को फिर मिला 11 हजार करोड़ का कर्ज

जब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिफ मुनीर को ह्वाइट हाउस में बुलाकर खाना खिलाया है, पाकिस्तान की किस्मत खुल गई है। संभवतः यह डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती का ही असर है कि लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच चुके पाकिस्तान को इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) से एक बार फिर 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 10,782 करोड़ रुपये) का कर्ज मिल गया है। इसके पहले भी आईएमएफ ने पाकिस्तान को मोटा कर्ज उपलब्ध कराया था जिससे पाकिस्तान को मदद मिल गई थी। इसके पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिलने के बाद भारत ने विरोध जताया था और पड़ोसी देश का इतिहास देखते हुए इस बात की आशंका जताई थी कि पाकिस्तान इसका उपयोग अपने यहां आतंकवाद को बढ़ाने में करेगा। आईएमएफ का कर्ज देने के पहले उसकी एक उच्च स्तरीय कमेटी इसका मूल्यांकन करती है। अपने पैमाने पर खरा उतरने के बाद ही किसी देश को आईएमएफ से कर्ज मिल पाता है। लेकिन माना यही जाता है कि आईएमएफ की कार्यप्रणाली पर अमेरिका का भारी प्रभाव रहता है और उसकी सहमति मिलने के बाद कर्ज मिलना आसान हो जाता है। पाकिस्तान के मामले में यही हुआ माना जा रहा है। आईएमएफ ने सोमवार को पाकिस्तान के लिए यह फंड जारी करते हुए कहा है कि पाकिस्तान अपने देश में महंगाई को काबू करने में सफल रहा है। वह उन सुधारों की ओर कदम भी बढ़ा रहा है जिससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बेहतर किया जा सके। आईएमएफ ने इस बात पर संतोष जताया है कि पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में बाढ़ के बाद वहां महंगाई की दर बढ़ गई थी, इसके बाद भी पाकिस्तान अपने घाटे को एक सीमा में रखने में कामयाब हुआ है। पाकिस्तान को मदद की एक शर्त के तौर पर उसे अपने यहां आर्थिक सुधारों को लागू करना भी है। पाकिस्तान महत्त्वपूर्ण सेक्टर में निजीकरण को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को बेहतर करने के कदम उठा रहा है। आगामी 23 दिसंबर को पाकिस्तान अपनी एयरलाइंस को भी निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर चुका है। इसके लिए चार कंपनियों को शॉर्टलिस्ट भी किया जा चुका है। यदि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो पाकिस्तान एयरलाइंस जल्द ही निजी हाथों के द्वारा संचालित होगी। इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। इसके पहले भी आईएमएफ ने पाकिस्तान को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई थी। अब तक उसे 3.3 बिलियन डॉलर का कर्ज मिल चुका है। एक योजना के अनुसार, उसे करीब सात बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता की जानी है। इससे पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद बन सकती है। भारत ने जताया था विरोध इसके पहले आईएमएफ ने पाकिस्तान को करीब 2.1 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता पहुंचाई थी। इस आर्थिक सहायता की बोर्ड मीटिंग का भारत ने बहिष्कार कर दिया था। भारत ने कहा था कि पाकिस्तान अपने आर्थिक संसाधनों का दुरुपयोग पड़ोसी देश में आतंकवाद फैलाने में करता रहा है। ऐसे में उसे यह आर्थिक सहायता नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, आईएमएफ ने कहा था कि पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था में अपेक्षित सुधार कर रहा है और वह इसके लिए उपयुक्त कदम उठा रहा है। 'पाकिस्तान की मदद आतंकवाद को आर्थिक सहायता देने जैसा' आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि आईएमएफ ने पाकिस्तान को यह मदद आपातकालीन समय में सेवा उपलब्ध कराने और जल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए दिया है। आईएमएफ अपने द्वारा दिए गए फंड की मॉनीटरिंग भी करता है।

ईवी को लेकर असमंजस बढ़ा, दुनिया भर में कार खरीदार दोबारा पेट्रोल-डीजल वाहनों की ओर लौट रहे हैं

नई दिल्ली। बदलती नीतियों और ईवी की अनिश्चितताओं की वजह से दुनिया भर में कार खरीदने वाले पेट्रोल और डीजल मॉडल की तरफ लौट रहे हैं। जिससे ग्लोबल ऑटोमोटिव डिमांड बदल रही है। अर्न्स्ट एंड यंग (ए) की एक नई वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में कार खरीदार इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड मॉडलों से हटकर फिर से इंटरनल कम्बशन इंजन (कइए) (आईसीई) यानी पेट्रोल-डीजल वाहनों को प्राथमिकता देने लगे हैं। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कई देशों की सरकारें अपने जलवायु लक्ष्यों पर पुनर्विचार कर रही हैं। और उपभोक्ता ईवी की लागत, व्यवहारिकता और भविष्य की विश्वसनीयता को लेकर अनिश्चित महसूस कर रहे हैं। नीतिगत बदलावों ने खरीदारों की सोच बदली पश्चिमी देशों में पिछले कुछ महीनों में कई नीतिगत पलटफेर हुए हैं, जिनका सीधा असर वाहन खरीदारी पर दिख रहा है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व प्रशासन द्वारा तय किए गए फ्यूल-इकोनॉमी मानकों को कम करने का प्रस्ताव दिया है। जिससे वाहन निमार्ताओं पर अनुपालन का दबाव घटेगा और पेट्रोल गाड़ियों को अधिक किफायती विकल्प के रूप में देखा जा सकेगा। यूरोप भी अपने ईवी रोडमैप को दोबारा संतुलित कर रहा है। यूरोपीय संघ 2035 से नए पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रस्तावित प्रतिबंध को नरम करने की तैयारी में है। बढ़ती लागत, संभावित रोजगार हानि और सप्लाई-चेन की चुनौतियों ने नीति-निमार्ताओं को यह एहसास कराया है कि ईवी संक्रमण वैश्विक स्तर पर अनुमान से धीमी गति से हो रहा है। ए (ईवाई) के ग्लोबल मोबिलिटी हेड कॉन्सटैन्टिन एम. गाल ने कहा कि ये नीतिगत बदलाव इस बात का संकेत हैं कि सरकारें अब वैज्ञानिक तथ्यों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं और मान रही हैं कि ईवी परिवर्तन ₹धीरे-धीरे₹ ही संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि चीन में ईवी बिक्री बढ़ने के बावजूद खरीदार अब वाहन के तकनीकी फीचर और कनेक्टिविटी को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, न कि केवल इंजन तकनीक को। ईवी को लेकर झिझक क्यों बढ़ रही है चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, ऊंची कीमतें और वैश्विक राजनीति ये तीनों कारक ईवी अपनाने की गति को धीमा कर रहे हैं। कई देशों में चार्जिंग नेटवर्क पर्याप्त नहीं हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को लंबी दूरी की यात्रा को लेकर संदेह रहता है। वहीं, ईवी मॉडलों की कीमतें अभी भी पारंपरिक कारों से अधिक हैं, और कई बाजारों में सरकारी सब्सिडी भी कम हो रही है। इसके अलावा, पश्चिमी देशों और चीन के बीच बढ़ते तनाव ने चीनी ईवी पर लगे शुल्कों को बढ़ा दिया है। यह कदम घरेलू ऑटो कंपनियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है, लेकिन इससे भविष्य में ईवी की कीमत और उपलब्धता को लेकर और असमंजस पैदा हो गया है। दूसरी ओर, चीनी कंपनियां सस्ते पेट्रोल-डीजल वाहनों का निर्यात बढ़ा रही हैं, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तीव्र हो गई है। इस बदलाव का महत्व क्या है ईवी की जगह आईसीई वाहनों की ओर वापसी वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि सड़क परिवहन अभी भी उत्सर्जन के सबसे बड़े स्रोतों में शामिल है। जिन ऑटोमोबाइल कंपनियों ने ईवी विकास में भारी निवेश किया है, उन्हें अब अपनी रणनीतियों में संतुलन बनाना पड़ सकता है। पर्यावरण समूहों का कहना है कि ईवी संक्रमण में देरी का मतलब लंबे समय तक अधिक उत्सर्जन और जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में बड़ी चुनौतियां। ऑटो कंपनियों के लिए इसका अर्थ यह है कि उन्हें अभी कुछ और वर्षों तक पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों मॉडल समानांतर रूप से विकसित करने पड़ेंगे। जिससे लागत बढ़ेगी और भविष्य की योजना बनाना और मुश्किल हो जाएगा। ईवाई अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष वैश्विक स्तर पर 50 प्रतिशत खरीदार चाहते हैं कि उनकी अगली कार, नई हो या पुरानी, आईसीई हो। यह 2024 की तुलना में 13 प्रतिशत अंक की बढ़त है। बैटरी-इलेक्ट्रिक वाहनों की पसंद घटकर 14 प्रतिशत रह गई है, जो साल-दर-साल 10 प्रतिशत अंक की गिरावट है। हाइब्रिड कारों में रुचि घटकर 16 प्रतिशत रह गई है। जो ग्राहक पहले ईवी खरीदने का विचार कर रहे थे, उनमें से 36 प्रतिशत अब भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण निर्णय टाल रहे हैं। वैश्विक मोबिलिटी के लिए निर्णायक मोड़ यह रिपोर्ट दिखाती है कि दुनिया भर का ऑटो उद्योग बदलती नीतियों, आर्थिक दबावों और उपभोक्ता अपेक्षाओं के बीच एक जटिल संक्रमण काल से गुजर रहा है। भले ही लंबी अवधि में ईवी टिकाऊ परिवहन के लिए महत्वपूर्ण बने रहें। लेकिन फिलहाल स्थिति स्पष्ट तौर पर असमान और धीमी है। जहां कई खरीदार लागत, भरोसेमंद इंफ्रास्ट्रक्चर और राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए एक बार फिर पेट्रोल-डीजल वाहनों की ओर लौट रहे हैं।

रूस को एक इंच जमीन नहीं देंगे, अमेरिकी दबाव के बावजूद पीछे हटने को तैयार नहीं जेलेंस्की

रोम। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोप दौरे के दौरान दोहराया कि वह रूस को कोई जमीन नहीं देंगे। अमेरिका की ओर से डोनबास का हिस्सा सौंपने का दबाव बढ़ रहा है, लेकिन यूरोप जेलेंस्की का समर्थन कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि वह रूस को अपनी जमीन का एक इंच भी नहीं सौंपेंगे। उन्होंने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब वह यूरोप का लगातार दौरा कर समर्थन जुटा रहे हैं और दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यूक्रेन रूस से समझौता करे। जेलेंस्की मंगलवार को रोम पहुंचे, जहां उन्होंने पोप लियो 14 से मुलाकात की और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से बात करने वाले हैं। इससे पहले सोमवार को वह लंदन गए, जहां ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मिले। उनका मकसद साफ है यूरोप का मजबूत समर्थन कायम रखना क्योंकि अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक कठिन समझौते का दबाव बढ़ा रहा है। अमेरिका का दबाव और यूक्रेन की आपत्ति अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच तीन दिन की बातचीत खत्म हुई, लेकिन कई मुद्दों पर मतभेद बरकरार हैं। मुख्य विवाद यह है कि अमेरिकी योजना में डोनबास क्षेत्र का एक हिस्सा रूस को देने का सुझाव है। रूस इस क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर चुका है, लेकिन यूक्रेन और उसके यूरोपीय साथी किसी भी तरह की जमीन सौंपने के खिलाफ हैं।

जापान में 7.5 तीव्रता के भूकंप में 33 लोग घायल, दो फुट ऊंची सुनामी की लहर आई

टोक्यो। उत्तरी जापान में सोमवार देर रात 7.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 23 लोग घायल हुए और तटीय इलाकों में दो फुट ऊंची सुनामी की लहर उठी। सरकार और एजेंसियां नुकसान का आकलन कर रही हैं। परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा जांच की जा रही है और प्रधानमंत्री ने आपात कार्यदल बनाकर राहत कार्य तेज करने का आदेश दिया। उत्तरी जापान के समुद्र तट के पास सोमवार देर रात 7.5 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप में 33 लोग घायल हुए। इसके अलावा, प्रशांत तटवर्ती इलाकों में सुनामी की लहर आई। अधिकारियों ने बाद में और बड़े भूकंप के झटकों के जोखिम की चेतावनी दी। जापानी सरकार अभी सुनामी की लहर और देर रात आए भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रही है। यह भूकंप रात करीब सवा ग्यारह बजे प्रशांत महासागर में आया। भूकंप मुख्य होंशू द्वीप के उत्तरी हिस्से में आओमोरी तट से लगभग 80 किलोमीटर दूर समुद्र में आया। हचिनोहे शहर में एक छोटी दुकान के मालिक नोबुओ यामाडा ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके से कहा, मैंने इतनी तेज कंपन कभी महसूस नहीं की। उन्होंने बताया कि खुशकिस्मती से उनके इलाके में बिजली की लाइन में कोई परेशानी नहीं आई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया, इवाते प्रांत में और आओमोरी के ठीक दक्षिण में स्थित कुजी बंदरगाह में लगभग 70 सेंटीमीटर (2 फीट 4 इंच) ऊंची सुनामी की लहर दर्ज की गई। अन्य तटीय इलाकों में सुनामी की लहर का स्तर 50 सेंटीमीटर तक पहुंचा। सामान गिरने से घायल हुए अधिकांश लोगः आपदा प्रबंधन एजेंसी दमकल एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि 33 लोग घायल हुए, जिनमें से एक गंभीर रूप से घायल हुआ।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।